PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 281 ● भिलाई, बुधवार 20 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

जगदलपुर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक हुई

जगदलपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रीय स्तर के साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई, जैसे कि राज्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बिजली, शहरी विकास तथा सहकारिता जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देना। उससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जगदलपुर पहुंचे। आपको बता दें मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक छत्तीसगढ़ के बस्तर में हो रही है। जहां गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी एक साथ नजर आए। शाह ने परिषद की हाई लेवल बैठक की हैं। इस मीटिंग में विकास, विस्तार व अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई।

केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की बैठक से पहले उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जगदलपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस बैठक के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी उपस्थित थे। इस दौरान मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड राज्य के तीनों मुख्यमंत्री आपस में बात करते हुए हंसते हुए नजर आ रहे है।

छत्तीसगढ़वासियों के लिए गर्व और विश्वास का विषय- सीएम साय

जगदलपुर में आयोजित हो रही मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को सीएम ने गुलदस्ता और बस्तर के पारंपरिक बेल मेटल से सृजित प्रभु श्री राम जी की कलाकृति भेंटकर अभिनंदन किया. सीएम ने कहा गृह मंत्री के दृढ़ नेतृत्व, स्पष्ट नीति और संकल्पित प्रयासों से बस्तर आज नक्सलवाद के दौर से बाहर निकलकर शांति, विश्वास और विकास के नए युग की ओर तेजी से अग्रसर है.

बैठक में शामिल होने पहुंचे एमपी उत्तराखंड के सीएम

इस बड़ी और महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बस्तर पहुंच गए हैं। यहां मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन सभी का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का किया आत्मीय स्वागत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक में शामिल होने पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री साय ने उन्हें राजकीय गमछा भेंट कर छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति के अनुरूप उन्हें सम्मान दिया। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक का आयोजन आज बस्तर में किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न राज्यों के बीच समन्वय, विकास और प्रशासनिक विषयों पर व्यापक चर्चा होगी।

राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर हमला देश आर्थिक तूफान की ओर बढ़ रहा

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने दो दिवसीय रायबरेली दौरे के दौरान केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश 'आर्थिक तूफान' की ओर बढ़ रहा है और इसका सबसे अधिक असर आम जनता, युवाओं, किसानों तथा छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा।

राहुल गांधी ने बछरांवा क्षेत्र में एक नवनिर्मित बारात घर का लोकार्पण करने के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योगपति अडाणी और अंबानी के पक्ष में जो आर्थिक ढांचा तैयार किया है। वह टिकाऊ नहीं है और आने वाले समय में पूरी तरह ढह जाएगा। इसके चलते देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लग सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता को भविष्य में 'आर्थिक शॉक' झेलना पड़ सकता है। गांधी ने कहा कि इसका प्रभाव बड़े उद्योगपतियों या सत्ता में बैठे लोगों पर नहीं, बल्कि किसानों, युवाओं और छोटे कारोबारियों पर पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि आने वाला समय आम लोगों के लिए कठिन होने वाला है। कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री लोगों को विदेश यात्रा नहीं करने और आत्मनिर्भर बनने की सलाह दे रहे हैं, जबकि दूसरी ओर वह स्वयं लगातार विदेश दौरों पर जा रहे हैं। राहुल गांधी मंगलवार को अपने दो दिवसीय रायबरेली दौरे पर विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने बछरांवा में बारात घर का उद्घाटन करने के अलावा खीरो क्षेत्र में जनसंवाद कार्यक्र म तथा लालगंज में महिला संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अतिरिक्त रायबरेली शहर के पहलवान वीर बाबा क्षेत्र में एक डामर सड़क का लोकार्पण भी किया।

उनके कार्यक्रम के अनुसार विश्राम भुये मऊ गेस्ट हाउस में होगा, जहां वह जनप्रतिनिधियों से मुलाकात भी करेंगे। बुधवार सुबह वह लोधवारी क्षेत्र में अमर शहीद वीरा पासी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे तथा बहुजन स्वाभिमान सभा में भी शामिल होंगे।

नार्वे की कंपनियों के लिए खुले हैं दरवाजे : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

ओस्लो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और नार्वे के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा है कि नॉर्वे की कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खुले हैं और उन्हें स्वच्छ ऊर्जा, जहाज निर्माण, समुद्री उद्योगों और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी में निवेश के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास खाद्य सुरक्षा, उर्वरक, मत्स्य पालन और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग के उत्कृष्ट अवसर हैं। नार्वे की दो दिन की यात्रा पर गये मोदी ने सोमवार रात भारत-नॉर्वे व्यापार और अनुसंधान शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि व्यापार क्षेत्र और अनुसंधान जगत से जुड़े हितधारकों के साथ संवाद करना एक सुखद अवसर था। उन्होंने कहा, ओस्लो सिटी हॉल में प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे और मैंने एक व्यापार एवं अनुसंधान शिखर सम्मेलन में भाग लिया। व्यापार क्षेत्र और अनुसंधान जगत से जुड़े हितधारकों के साथ संवाद करना एक सुखद अवसर था। हमारे देशों के पास खाद्य सुरक्षा, उर्वरक, मत्स्य पालन और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग के उत्कृष्ट अवसर हैं।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

खतरनाक कुत्तों को दें मौत का इंजेक्शन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को दूसरी जगह भेजने और उनकी नसबंदी से जुड़े, 7 नवंबर 2025 के अपने आदेश में बदलाव या उसे वापस लेने की सभी अर्जियों और याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने आवारा पशुओं को लेकर भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं की वैधता को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

कोर्ट ने कहा- आंख नहीं फेर सकते

अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी से निपटने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की दिशा में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से लगातार प्रयास नहीं किए गए हैं। अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि हम देश के अलग-अलग हिस्सों से आ रही उन खबरों से आंख नहीं फेर सकते, जिसमें बच्चों और बुजुर्गों पर हमले हुए हैं। अदालत ने कहा कि आम नागरिक सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षित रह गए हैं और अंतरराष्ट्रीय यात्री भी ऐसी घटनाओं का शिकार हुए हैं।

हर जिले में बनेगा एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर

अदालत ने कहा कि हर जिले में कम से कम एक पूरी तरह से काम करने वाला एनिमल बर्थ कंट्रोल यानी एबीसी सेंटर बनाना सुनिश्चित किया जाए। इसमें जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्जिकल सुविधाओं और सहायक लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित किया जाएगा। हर कर्मचारी को प्रशिक्षित किया जाएगा।

कोर्ट ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इन निर्देशों को लागू करने के लिए सभी ज़रूरी उपाय करने होंगे और उन्हें बिना किसी देरी के इन निर्देशों का अक्षरशः और भावना के साथ पालन करना होगा।

एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कराने के निर्देश

अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि सभी सरकारी चिकित्सा केंद्रों में एंटी-रेबीज वैक्सीन और इम्यूनोग्लोबुलिन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर आवारा पशुओं की मौजूदगी की समस्या से निपटने के लिए भी इंतजाम किया जाएगा।

अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में जहां कुत्ते लाइलाज रूप से बीमार, रेबीज से पीड़ित या स्पष्ट रूप से खतरनाक व आक्रामक हों, तो मानव जीवन और सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरे को प्रभावी ढंग से समाप्त करने हेतु उन्हें पशु जन्म नियंत्रण नियमों और अन्य लागू वैधानिक प्रोटोकॉल के अनुसार मारने पर विचार कर सकते हैं।

खाड़ी देशों की अपील के बाद ईरान पर हमला रोक दिया गया : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि खाड़ी देशों के अपील के बाद ईरान पर हमला रोक दिया गया है और उम्मीद जतायी है कि यह घोषणा अंततः स्थायी हो जाएगी। ट्रंप ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अनुरोध के बाद उन्होंने के लिए निर्धारित ईरान पर सैन्य हमला रद्द कर दिया था। उन्होंने बताया कि यह अनुरोध चल रही 'गंभीर बातचीत' के कारण किया गया था, जिसके बारे में पश्चिम एशिया के नेताओं का मानना है कि इसका परिणाम एक ऐसे समझौते के रूप में निकल सकता है जो अमेरिका को स्वीकार्य हो। उन्होंने पत्रकारों से कहा, मैंने इसे थोड़े समय के लिए टाल दिया है - उम्मीद है कि शायद हमेशा के लिए, लेकिन संभवतः थोड़े समय के लिए - क्योंकि हमारी ईरान के साथ बहुत बड़ी चर्चाएँ हुई हैं। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के साथ एक समझौता होने ही वाला है। उनके अनुसार, पश्चिम एशिया के देश जिन्होंने उनसे ईरान पर हमले टालने का अनुरोध किया था। मानते हैं कि यह समझौता बहुत जल्द होने वाला है।

अमरीकी राष्ट्रपति ने कहा, सऊदी अरब, कतर, यूएई और कुछ अन्य देशों ने मुझसे पूछा कि क्या हम इसे दो या तीन दिनों के लिए - यानी थोड़े समय के लिए - टाल सकते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे किसी समझौते तक पहुँचने के बहुत करीब हैं।

उल्लेखनीय है कि गत 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल ने ईरान में कुछ ठिकानों पर हमले किए थे, जिससे काफी जान माल का नुकसान हुआ था। सात अप्रैल को अमेरिका और ईरान ने दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा की थी। इसके बाद इस्लामाबाद में हुई बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला, और ट्रंप ने ईरान को एक एकजुट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए संघर्ष समाप्त करने की अवधि बढ़ा दी।

भारत, वियतनाम ने हिन्द-प्रशांत में स्थिरता और नौवहन की स्वतंत्रता की प्रतिबद्धता जताई

नयी दिल्ली। भारत और वियतनाम ने हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वियतनाम की राजधानी हनोई में उप प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय रक्षा मंत्री जनरल फान वान जियांग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने वर्चुअल माध्यम से वियतनाम के वायु सेना अधिकारी महाविद्यालय में भाषा प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। भारत एवं वियतनाम ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं क्वांटम प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री ने न्हा त्रांग स्थित दूरसंचार विश्वविद्यालय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला की स्थापना की घोषणा की। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच बढ़ती रक्षा साझेदारी की समीक्षा की और समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग, प्रशिक्षण एवं क्षेत्रीय स्थिरता में सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने पारस्परिक हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, सुरक्षा, संरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग सहयोग, समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना, साइबर सुरक्षा तथा उच्च स्तरीय आदान-प्रदान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने नियमित संवाद, संयुक्त अभ्यासों और विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों देशों की रक्षा सेनाओं के बीच सहयोग को बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। रक्षा मंत्री ने वियतनाम के साथ भारत की उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के ढांचे के अंतर्गत वियतनाम के रक्षा आधुनिकीकरण और क्षमता वृद्धि पहलों के समर्थन में भारत के संकल्प को पुनः व्यक्त किया।

रैपिडो राइडर ने कौशिक से लूटा मोबाइल... 8 घंटे में अरेस्ट

रायपुर। रायपुर में बीजेपी विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक से मोबाइल लूटने वाले वाले आरोपी को पुलिस ने महज 8 घंटे के भीतर अरेस्ट कर लिया। लूट की गुत्थी सुलझने के लिए पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, क्राइम और साइबर सेल के 40 से ज्यादा पुलिसकर्मी लगे हुए थे। पुलिस अधिकारियों की टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। केनाल रोड के सीसीटीवी कैमरे में लुटेरे के फरार होने का फुटेज पुलिस को मिला। कपड़ों के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने गाड़ी नंबर के जरिए आरोपी का पता लगाकर उसे खम्हारडीह थाना क्षेत्र के राजीव नगर से पकड़ा। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मणिकांत ध्रुव (19) बताया। वह रैपिडो राइडर है। आरोपी पहले किसी आपराधिक वारदात में शामिल रहा है या नहीं, इसकी जांच में पुलिस अधिकारी जुटे हुए हैं।

भारतीय सेना को मिलेगी नई एंटी-ड्रोन शील्ड

10 सेकंड में सैकड़ों ड्रोन मार गिराएगा भार्गवास्त्र

नईदिल्ली। भारतीय सेना की ड्रोन सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ी सफलता मिली है। सोलर इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित स्वदेशी 'भार्गवास्त्र' काउंटर-ड्रोन सिस्टम अब अंतिम परीक्षण चरण में पहुंच गया है। इसके दिसंबर 2026 तक पूरे होने की उम्मीद है। यह सिस्टम दुश्मन के ड्रोन, लॉइटरिंग म्यूनिशन और खासकर स्वार्म अटैक को नष्ट करने के लिए तैयार किया गया है।

भार्गवास्त्र एक लेयर्ड हार्ड-किल इंटरसेप्शन आर्किटेक्चर पर काम करता है। इसमें एक सिंगल लॉन्चर में 64 माइक्रो-रॉकेट्स या मिसाइलें लगाई जा सकती हैं। पूरा सैल्वो यानी सभी हथियार एक साथ सिर्फ 10 सेकंड में दागे जा सकते हैं। यह क्षमता इसे ड्रोन स्वार्म हमलों के खिलाफ बेहद प्रभावी बनाती है। सिस्टम मध्यम और बड़े यूएवी को 10 किलोमीटर दूर से और छोटे ड्रोन को 6 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर डिटेक्ट कर सकता है।

दोहरी मारक क्षमता

भार्गवास्त्र में दो प्रकार के हथियार लगे हैं। स्वार्म हमलों को रोकने के लिए अनगाइडेड माइक्रो-रॉकेट्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो बड़े क्षेत्र को कवर करते हैं। वहीं सटीक हमले के लिए गाइडेड माइक्रो-मिसाइल्स का उपयोग होता है, जो लक्ष्य को सीधे मार गिराती हैं। यह हिट-टू-किल तकनीक पर काम करता है। सिस्टम को सी4आई नेटवर्क के साथ जोड़ा गया है और इसमें ईओ/आईआर सेंसर लगे हैं, जो दिन-रात किसी भी मौसम में काम कर सकते हैं। भार्गवास्त्र को भारत की अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह रेगिस्तान, मैदानी इलाकों और 5000 मीटर तक की ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में भी ढंग से काम करता है। यह क्षमता इसे सीमा सुरक्षा, महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों और रणनीतिक स्थानों की सुरक्षा के लिए बेस्ट बनाती है।

आधुनिक युद्ध में महत्व

आज के युद्ध में ड्रोन और स्वार्म अटैक सबसे बड़ी चुनौती बन गए हैं। कोई भी एयर डिफेंस सिस्टम 100त्न सुरक्षा नहीं दे सकता। ऐसे में भार्गवास्त्र जैसे सिस्टम महत्वपूर्ण संपत्तियों के चारों ओर घना और ओवरलैपिंग कवच तैयार करते हैं। महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 4-6 भार्गवास्त्र सिस्टम तैनात करने से दुश्मन के सैचुरेशन अटैक को रोकना बहुत आसान हो जाएगा। अन्य डिफेंस सिस्टम की लागत ज्यादा आएगी। यह सिस्टम भारत को स्वदेशी एंटी-ड्रोन शील्ड विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

राज्यपाल रमेन डेका ने की महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा

- महिला आजीविका संवर्धन, युवाओं के हुनर को तराश कर आत्मनिर्भर बनाने, सड़क सुरक्षा पर जोर देने, टीबी उन्मूलन पर विशेष कार्ययोजन बनाने, जल संचयन पर कार्य करने सहित टीबी उन्मूलन पर कार्ययोजना बनाने कहा

बेमेतरा। राज्यपाल रमेन डेका ने बेमेतरा में शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी और जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव या प्रशासनिक जटिलताओं के कारण लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं एसएसपी रामकृष्ण साहू सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे। राज्यपाल ने निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। सर्वे और चयन की प्रक्रिया को इतना सुदृढ़ बनाया जाए कि वास्तविक जरूरतमंदों को प्राथमिकता मिले। राज्यपाल डेका ने कहा कि कई बार ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में लोगों को योजनाओं की सही जानकारी नहीं होती। इसके लिए स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाएं। जिससे ग्रामीण जनों को योजनाओ का लाभ मिल सकें। बैठक के समापन पर राज्यपाल ने कहा कि सभी अधिकारी शिद्दत के साथ मानवीय संवेदना को अपने जीवन में विशेष जगह देवें। उन्होंने कहा कि समाज में वंचित और जरूरतमंद लोगों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि सीनियर सिटीजन के साथ समय बिताए और उनका ख्याल रखें। जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा अध्ययन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच को जगह देवें। जन कल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करते हुए हितग्राहियों को लाभांवित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय योजनाओं में केवल आंकड़े पूरा करना उद्देश्य नहीं है, बल्कि आम जन के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को टीम भावना के साथ काम करने और सेवा भाव को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। राज्यपाल रमेन डेका द्वारा दिए गए ये निर्देश राज्य के समग्र विकास, सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण हैं। उनके इस विज़न को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारियों को निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने निर्देशित किया। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रणनीतिक बनाने कहा। स्वयं सहायता समूह का सुदृढ़ीकरण करने कहा। बिहान' या स्थानीय आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को जोड़कर उन्हें बैंक लिंकेज और कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध करा कर आर्थिक स्वावलंबन बनाने कहा गया। राज्यपाल रमेन डेका ने पारंपरिक कार्यों से हटकर महिलाओं / युवाओ का कौशल उन्नयन करने कहा। डिजिटल साक्षरता, वित्तीय प्रबंधन और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण पर जोर दिया। युवाओं के हुनर को तराश कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने कहा गया। उन्होंने युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार पैदा करने वाला बनाने पर ध्यान देना कहा। **स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा**-राज्यपाल रमेन डेका ने युवाओं को 'मुद्रा योजना' या राज्य की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत आसानी से लोन दिलाने और उन्हें मेंटरशिप प्रदान करने निर्देशित किया।कौशल प्रशिक्षण के तुरंत बाद युवाओं को स्थानीय उद्योगों में रोजगार के अवसर दिलाने के लिए जिला स्तर पर 'रोजगार मेलों' का नियमित आयोजनकरने भी कहा। **सड़क सुरक्षा पर ज़ोर**-सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और कीमती जानों को बचाने के लिए एक 'थ्री-ई' जिला प्रशासन को ठोस पहल करने निर्देशित किया। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटना एक बहुत बड़ी गंभीर समस्या है। उन्होंने सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। जिन जगहों पर बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं, वहां सड़कों का सुधार, साइनबोर्ड लगाना और स्पीड ब्रेकर दुरुस्त करने कहा गया। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने और 'गोल्डन आँवर' (दुर्घटना के तुरंत बाद का समय) में मदद करने के लिए 'गुड सेमरीटन' (नेक फरिश्ते) नीति का प्रचार करने निर्देशित किया। **टीबी उन्मूलन पर विशेष कार्ययोजना बनाएं**-भारत सरकार के 2025-2026 तक टीबी मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए माइक्रो-प्लानिंग की जरूरत बताया। ग्रामीण, आदिवासी और मलिन बस्तियों में घर-घर जाकर टीबी के लक्षणों वाले मरीजों की पहचान करने कहा गया। टीबी मरीजों को इलाज साथ ही, समाज के संपन्न लोगों और अधिकारियों को 'निक्षय मित्र' बनाकर मरीजों को गोद लेने के लिए प्रेरित करने कहा गया, ताकि उन्हें अतिरिक्त पोषण मिल सके। जल संचयन को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाने निर्देशित किया। बढ़ती गर्मी और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए इन पारंपरिक और आधुनिक उपायों पर प्रभावी काम करना समय की मांग बताया। राज्यपाल रमेन डेका डबरी निर्माण, छोटे आकार के तालाब बनाकर जल संचयन करने निर्देशित किया। सभी शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग बनाने कहा गया।

कागजों में खरीदी, गोदाम खाली : किसानों की कमाई पर सिस्टम की सेंध

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी को सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया जा रहा है। लेकिन कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के मध्यप्रदेश सीमा से लगे उपार्जन केंद्रों से सामने आए आंकड़े इस दावे की नींव हिला रहे हैं। हजारों क्विंटल धान की दर्ज कमी ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी समर्थन मूल्य व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उसरवाही उपार्जन केंद्र में कुल 1,01,968.80 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज है, जबकि 2,775.44 क्विंटल की कमी सामने आई है। रेंगाखार कला में 66,306.00 क्विंटल खरीदी के मुकाबले 639.63 क्विंटल कम पाया गया है। बम्हनी केंद्र में 55,220.40 क्विंटल खरीदी के विरुद्ध 2,508.52 क्विंटल की कमी दर्ज है। झलमला में 42,903.60 क्विंटल खरीदी के सामने 363.33 क्विंटल की कमी बताई गई है। यह कुल मिलाकर हजारों क्विंटल धान का अंतर है, जिसे किसी भी सूरत में सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं माना जा सकता। ऑनलाइन पोर्टल पर स्टॉक में कमी दर्ज होना और भौतिक सत्यापन में केंद्रों पर धान का अभाव मिलना स्थिति को और गंभीर बनाता है। यदि खरीदी वास्तविक थी तो स्टॉक की सुरक्षा और भंडारण में भारी लापरवाही हुई है। यदि स्टॉक कागजों में बढ़ाया गया है तो यह सीधे-सीधे बोगस खरीदी का मामला बनता है। दोनों ही स्थितियों में सार्वजनिक धन और किसानों के हितों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि संबंधित उपार्जन केंद्रों का अंतिम भौतिक मिलान एवं लेखा परीक्षण अभी शेष बताया जा रहा है। सीमावर्ती भौगोलिक स्थिति इस मामले को और संवेदनशील बनाती है। मध्यप्रदेश से सटे इन क्षेत्रों में ऊंचे समर्थन मूल्य का लाभ उठाने की संभावनाएं लंबे समय से चर्चा में रही हैं। ऐसे में बाहरी धान की एंट्री, कागजी खरीदी और परिवहन श्रृंखला में गड़बड़ी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि इस तरह का संगठित खेल हुआ है तो यह केवल एक केंद्र तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में गहरी पैठ का संकेत है। जिम्मेदारी तय करने की दिशा में सबसे पहले उपार्जन केंद्र प्रभारियों की भूमिका की जांच आवश्यक है। खरीदी, तौल, भंडारण और परिवहन की प्रविष्टियां उनके प्रत्यक्ष नियंत्रण में होती हैं। सहकारी समिति प्रबंधक, गोदाम प्रभारी और परिवहन एजेंसियां भी इस प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है। जिला स्तर पर खाद्य विभाग, विपणन संघ और वेयरहाउसिंग अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था की भी समीक्षा जरूरी है। यदि नियमित निरीक्षण और स्टॉक मिलान समय पर और पारदर्शी तरीके से हुए होते तो इतनी बड़ी कमी सामने आने से पहले ही रोकथाम संभव थी। प्रशासनिक जवाबदेही से बचने का कोई अवसर नहीं है। हजारों क्विंटल धान की कमी केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि करोड़ों रुपए के सार्वजनिक धन का मामला है। यदि भुगतान जारी हुआ है तो बैंकिंग रिकॉर्ड, परिवहन चालान और भंडारण रजिस्टर की क्रॉस-चेकिंग अनिवार्य है। दोष सिद्ध होने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर निलंबन, सेवा से पृथक्करण और रिकवरी की कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। किसानों के लिए 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर भरोसे और सम्मान का प्रतीक है। लेकिन उसी व्यवस्था में सेंध लगाकर निजी लाभ कमाना अन्नदाताओं के साथ सीधा विश्वासघात है। यह मामला केवल कबीरधाम तक सीमित नहीं रह सकता, क्योंकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली और समर्थन मूल्य व्यवस्था की विश्वसनीयता राष्ट्रीय महत्व का विषय है। अब समय है कि जिला प्रशासन उच्चस्तरीय, समयबद्ध और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करे। सभी संबंधित केंद्रों का पुनः भौतिक सत्यापन, डिजिटल डेटा ऑडिट, सीसीटीवी रिकॉर्ड की समीक्षा और परिवहन श्रृंखला का विस्तृत परीक्षण किया जाए। पारदर्शिता के साथ जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई ही इस पूरे प्रकरण में जनता का विश्वास बहाल कर सकती है।

मेमू ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए 08 कोच से किए 12 कोच

दल्लीराजहरा। रायपुर-राजहरा- ताड़ेकी-रायपुर 68764/ 68765 मेमू ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए 08 कोच से 12 कोच किए गए हैं। इस क्षेत्र के यातायात निरीक्षक एवं वाणिज्य निरीक्षकों को यात्रियों से फीडबैक लेने एवं समीक्षा के आधार पर रेल प्रशासन द्वारा आगे के संभावित निर्णय लिए जाएंगे। इस ट्रेन में 08 कोच के स्थान पर 12 कोच होने से यात्रियों को फायदा मिलेगा एवं यात्रियों की प्राथमिक मांग की पूर्ति होगी। रायपुर-ताड़ेकी-रायपुर 68764/68765 मेमू ट्रेन का कम लंबाई वाले प्लेटफार्म वाले स्टेशन रिसामा, गुंडरदेही, लाटाबोर, कुसुमकसा स्टेशनों पर रायपुर ताड़ेकी रायपुर ट्रेन का ठहराव 2 मिनट अतिरिक्त बढ़ाया गया है। पहले यह गाड़ी इन स्टेशनों पर 1 मिनट के लिए रुकती थी 2 मिनट अतिरिक्त बढ़ाए जाने पर यह गाड़ियां 3 मिनट के लिए उक्त स्टेशनों पर रुकेगी। यह व्यवस्था 18 मई 2026 से लागू कर दी गई है। गाड़ी संख्या 68764 रायपुर ताड़ेकी मेमू पैसेंजर ट्रेन 18:00 बजे रवाना होकर मरौदा 19.15 बजे पहुंच कर 19:25 बजे रवाना होगी। रिसामा स्टेशन पर 19.38 बजे पहुंच कर 19.41 बजे रवाना होगी, गुंडरदेही स्टेशन पर 19.52 बजे पहुंच कर 19.55 बजे रवाना होगी लाटाबोर स्टेशन पर 20.11 बजे पहुंच कर 20.14 बजे रवाना होगी, कुसुमकसा स्टेशन पर 20.42 बजे पहुंच कर 20.45 बजे रवाना होगी यह गाड़ी तड़ेकी स्टेशन पर 22.45 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 68765 ताड़ेकी-रायपुर मेमू पैसेंजर 10:25 बजे ताड़ेकी से रवाना होकर कुसुमकसा स्टेशन पर 11.51बजे पहुंच कर 11:59 बजे रवाना होगी।

लाटाबोर स्टेशन पर 12. 27 बजे पहुंच कर 12:30 बजे रवाना होगी। गुंडरदेही स्टेशन पर 12.49 बजे पहुंच कर 12:52 बजे रवानाहोगी। रिसामा स्टेशन पर 13:00 पहुंचकर 13:03 बजे रवाना होगी। मरौदा स्टेशन पर 13:30 बजे पहुंच कर 13:40 बजे रवाना होगी। रायपुर 15.40 बजे पहुंचेगी।

आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण में 01 आरोपी के कब्जे से 49 पौवा शराब जप्त

बेमेतरा। बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थों, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में थाना नांदघाट पुलिस टीम को जरिये मुखबिर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति अपने पास में एक सफेद रंग के थैला में अवैध रूप से धन लाभ अर्जित करने अवैध रूप से शराब बिक्री करने तरपोंगी तिराहा ग्राम नांदघाट में खडा हैं कि सूचना के अधार पर थाना नांदघाट एवं साइबर सेल पुलिस टीम द्वारा रेड कार्यवाही कर तरपोंगी तिराहा ग्राम नांदघाट में एक व्यक्ति को बिक्री हेतु रखे अवैध शराब के साथ पकड़ा गया। जिसमें थाना नांदघाट में 01 प्रकरण में 01 आरोपी तोषण कुमार मिरी पिता मनाराम मिरी उम्र 29 वर्ष, निवासी धोबघट्टी, थाना नांदघाट जिला बेमेतरा के कब्जे से 37 पौवा अंग्रेजी शराब एवं 12 पौवा देशी मसाला शराब, कुल 49 पौवा अंग्रेजी/देशी मसाला शराब (8,820द्रव्य) कुल जुमला कीमती 5,640/- रूपये को धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, प्रधान आरक्षक खुलेश्वर गायकवाड, साइबर सेल प्रधान आरक्षक योगेश यादव, आरक्षक संजय पाटिल, मुकेश माहिरे, थाना नांदघाट से आरक्षक संजय साहू, प्रताप सिंह यादव, मिथुन चंद्रवंशी, अजय गोयल अकाश सिंह सहित थाना नांदघाट/साइबर सेल के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

पेट्रोल डीजल के लिए शहर में मारामारी, होने लगे मारपीट

बेमेतरा। जिला मुख्यालय सहित जिले के कई डीजल पेट्रोल पंपों में डीजल पेट्रोल नहीं होने के कारण इन दोनों लोगों को डीजल पंप डीजल पेट्रोल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और जहां पर मिलने की खबर मिलते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है जिसमें वहां पर दो पहिया वाहन से लेकर सभी तरह के वाहनों की लाइन लग जाती है। वर्तमान में एक तरफजहां खेती किसानी का सीजन शुरू हो रहा है वहीं दूसरे तरफ शादी ब्याह का भी अभी सीजन चल रहा है।

इसके अलावा हर लोगों के पास दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहन से लेकर कई पहिया का वाहन है। जिसका उपयोग लोगों के द्वारा किसी न किसी रूप में उपयोग किया जाता है, जिसको चलाने के लिए पेट्रोल और डीजल की जरूरत सख्त आवश्यकता रहती है। ऐसी स्थिति में डीजल पेट्रोल की कमी होने से लोगों में एक तरफ जहां भंडारण करने की होड़ लग गई है। इसके चलते लोग डीजल पेट्रोल पंप में लाइन परा पर भी डीजल पेट्रोल मिलने की खबर मिलते ही भीड़ पहुंच जाता है। हालात यहां तक पहुंच गई है कि कुछ पेट्रोल पंप जहां पर डीजल पेट्रोल उपलब्ध रहते हैं वहां पर वाद विवाद से लेकर के मारामारी मारपीट तक के हो रही है। बेमेतरा जिला के सभी प्रमुख स्थान एवं नगर कस्बा एवं सड़क किनारे बहुत सारे पेट्रोल पंप डीजल पंप है। लेकिन इन दोनों ईरान से अमेरिका और इजरायल युद्ध होने के परिणाम स्वरूप पेट्रोल डीजल की आपूर्ति समय पर नहीं हो रही है जिसके कारण शहर एवं ग्रामीण इलाकों में पेट्रोल डीजल की कमी से लोगों को परेशानी हो रही है। अभी जिला मुख्यालय में प्रतिदिन किसी न किसी अधिकांश पेट्रोल डीजल पंप में डीजल पेट्रोल नहीं होने की शिकायती मिल रही है वहीं जहां पर पेट्रोल डीजल मिलाने की जानकारी होती है वहां पर लोग डीजल पेट्रोल लेने के लिए लंबी-लंबी लगा रहे हैं यह स्थिति तब तक कश रहता है। जब तक के पेट्रोल पंप में डीजल पेट्रोल समाप्त नहीं हो जाता।

कई लोग जब पता चलता है कि रात 2:00 बजे पेट्रोल डीजल आया है तो लोग 5:00 बजे वहां पेट्रोल डीजल लेने के लिए पहुंच जाते है। इस संबंध में यह भी जानकारी मिली है कि जिला मुख्यालय की हालत बहुत खराब है। यहां शहर के अंदर रायपुर रोड में बीजाभाठ रोड में इधर बालसमंद रोड में नवगढ़ रोड में खमरिया रोड कवर्धा रोड में जितने भी डीजल पेट्रोल पंप है उसमें कई डीजल पेट्रोल डीजल पेट्रोल पंप में डीजल पेट्रोल पंप की कमी आए दिन होने लगा है इस लिए जिस किसी भी पेट्रोल पंप में डीजल पेट्रोल मिलने की खबर लोगों को होता है। वहां पर लोग डीजल पेट्रोल लेने के लिए एकत्र हो जाते हैं जिससे वहां पर मेला का माहौल बन जाता है।

लोग स्टाक करने में लगे डीजल पेट्रोल को

डीजल पेट्रोल की कमी की की चर्चा के चलते इन दिनों कतिपय लोगों के द्वारा डीजल पेट्रोल को खरीद कर भविष्य के लिए स्टाक में रखना शुरू कर दिए हैं।

इस संबंध में लोगों का कहना है कि जिस हिसाब से डीजल पेट्रोल पंप उभी वहां किल्लत होने लगा है, ऐसा लगता है कि भविष्य में कहीं डीजल पेट्रोल पंप 6 दिन 8 दिन के लिए मिलना बंद हो जाएगा तो काम नहीं हो पाएगा। इसलिए अपने काम को सुचारू से संचालित करने के लिए डीजल पेट्रोल को खरीद कर भारी मात्रा में स्टाक करने भी लग गए हैं। इसके कारण भीड़ जो है कम नहीं हो रही है, बल्कि जिस पंप में पेट्रोल डीजल मिलने की जानकारी होते ही वहां पर भीड़ उमड़ पड़ती है।

15 दिवसीय समर कैंप का समापन समारोह उत्साह और रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ संपन्न

दल्लीराजहरा। दल्ली मॉडर्न आर्ट क्लब (डी मेक) द्वारा आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप 2026 का भव्य समापन समारोह उत्साह और रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा, कला और आत्मविश्वास ने उपस्थित सैकड़ों लोगों का मन मोह लिया। समापन समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विभिन्न स्कूलों के उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं सम्मान देकर प्रोत्साहित किया गया। संस्था द्वारा सम्मानित विद्यार्थियों में सुमन वर्मा (98% 10वीं, डीएवी स्कूल), शुभोश्री आचार्जी (98% 10वीं, डीएवी स्कूल), श्रेयांश गुप्ता (95.6% 10वीं, निर्मला स्कूल), मानस अग्रवाल (93.2% 12वीं, डीएवी स्कूल), समृद्धि कसार (91.2% 12वीं, निर्मला स्कूल), पायल वर्मा (91% 10वीं, आत्मानंद स्कूल), अदिति पासवान (86.2% 12वींआत्मानंद स्कूल), यमन कुमार देवांगन (83% 10वीं, लिटिल बर्ड अकादमी) को 2026 टॉपर अवार्ड से सम्मानित किया गया। संस्था ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ये बच्चे आगे चलकर दल्ली राजहरा, जिला और राज्य का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम में समर कैंप के प्रशिक्षक सारिका, भूमिका, लीसा, प्रिया, सिरी, मिलन, महेश एवं हेमंत की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया। लगभग 6 वर्षों से डी-मेक संस्था बच्चों को समर कैंप के माध्यम से वैदिक गणित, आर्ट एंड क्राफ्ट, म्यूजिक, डांस, मेहंदी, रंगोली, स्पोकन इंग्लिश, कैलिग्राफी, कर्सिव राइटिंग, माइंड गेम्स जैसी रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दे रही है। संस्था का मुख्य उद्देश्य बच्चों को मोबाइल और सोशल मीडिया की दुनिया से निकालकर उनकी रचनात्मक, बौद्धिक और कलात्मक प्रतिभा को निखारना है, ताकि बच्चे खेलकूद और पढ़ाई के साथ-साथ नई-नई क्रिएटिव चीजें सीख सकें। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। साथ ही हाल ही में दल्ली राजहरा में पाइपलाइन कार्य के दौरान मृत हुए तीन मजदूरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवारों के लिए प्रार्थना की गई। इसके पश्चात राज्य गीत अरपा पैरी के धार के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा। नन्हे बच्चों ने मंच संचालन से लेकर डांस, ग्रुप सॉन्ग, इंग्लिश सॉन्ग, कृष्णा स्टोरी आधारित प्रस्तुतियों और कला प्रदर्शनी के माध्यम से अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। 3 साल से छोटे बच्चों तक ने मंच पर बेहतरीन प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू, मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू, जयदीप गुप्ता, राजकुमार साहू, एम.एस. श्रीजीत एवं आदित्य उपस्थित रहे। संस्था के डायरेक्टर विजय बोरकर ने कहा कि दल्ली राजहरा जैसे शहर में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

रेलवे इंस्टिट्यूट में 1 से 30 मई तक समर कैंप का आयोजन

दल्लीराजहरा। गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर कर खेल की ओर मोड़ने के उद्देश्य से रेलवे इंस्टिट्यूट दल्ली राजहरा में 1 से 30 मई तक समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है इसमें 340 बच्चे निःशुल्क प्रशिक्षण ले रहे हैं। आयोजकों के अनुसार दिन-प्रतिदिन बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। कैंप के मुख्य कोच और रेलवे इंस्टिट्यूट के सहायक सचिव एडवर्ड स्टीफन ने बताया कि इस समर कैंप का उद्देश्य बच्चों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास करने के साथ-साथ खेलों के प्रति उनकी रुचि को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि छुट्टियों में बच्चे पढ़ाई से तो दूर होते ही हैं, साथ ही समय का अधिकतर हिस्सा मोबाइल, टीवी और नींद में बर्बाद कर देते हैं। संसाधन और जगह की कमी के कारण बच्चे खेलों से दूर होते जा रहे हैं। इसी को देखते हुए रेलवे इंस्टिट्यूट ने निःशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था की है। प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे बच्चों को बुलाकर एक घंटे तक फिजिकल एक्सरसाइज और दौड़ कराई जाती है। इसके बाद बच्चे अपनी रुचि के अनुसार फुटबॉल, कबड्डी और अन्य फिजिकल गेम्स का अभ्यास करते हैं। सभी खेलों के लिए अलग-अलग प्रशिक्षक निशुल्क सेवा दे रहे हैं। नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू और वार्ड 26 की पार्षद टी. ज्योति ने कैंप पहुंचकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। आयोजक समिति ने दोनों अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर समाजसेवी तरुण चंद्रा और सुजीत झा भी मौजूद रहे, जिनका भी स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि तोरण लाल साहू ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले चार सालों से रेलवे इंस्टिट्यूट बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार खेल का प्रशिक्षण दे रहा है। यह प्रयास बच्चों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ उनके शारीरिक विकास के लिए भी बेहद जरूरी है। उन्होंने रेलवे इंस्टिट्यूट और अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि पहले स्कूलों में जबरन खेल सिखाए जाते थे, लेकिन अब बच्चे बिना किसी दबाव के अपनी पसंद के खेल सीख रहे है। पार्षद और कोचों के अनुरोध पर उन्होंने ग्राउंड को बड़ा करने के लिए अधिकारियों से बात करने की बात भी कही, ताकि बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। पार्षद टी.ज्योति ने कहा कि यह कैंप रेलवे बीआरएम के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है और सभी सुविधाएं रेलवे की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने प्रशिक्षकों और आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए यह एक बड़ी पहल है। कैंप में आए सभी 340 बच्चों के लिए नाश्ते की व्यवस्था समाजसेवी तरुण चंद्रा ने की। उन्होंने बच्चों को बिस्कुट, केला और फल वितरित किए। आयोजकों ने बताया कि संस्थान की ओर से बच्चों को नियमित रूप से गुड़-चना, दूध और बिस्कुट भी दिए जाते हैं। किसी बच्चे का जन्मदिन होने पर परिवार के सहयोग से यहां उसका उत्सव भी मनाया जाता है। बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए हर सप्ताह अनुशासित और लगनशील एक लड़के और एक लड़की को टोपी देकर सम्मानित किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

लखपति दीदी मंजू की संघर्षगाथा बनी आत्म निर्भरता की प्रेरक मिसाल

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कोरबा जिले के लेमरू प्रवास के दौरान आत्मीयता, संघर्ष और आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली। मुख्यमंत्री साय ने यहां ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी लखपति दीदी मंजू द्वारा संचालित छोटे से स्टॉल पर पहुंचकर उनके हाथों से बने चटपटे गुपचुप का स्वाद लिया और आत्मीय संवाद किया।बातचीत के दौरान मंजू ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने छोटे स्तर से अपने व्यवसाय की शुरुआत की थी। गुपचुप स्टॉल से होने वाली बचत और लगातार मेहनत के बल पर आज वे भवन निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली 'सेंटरिंग प्लेट' के व्यवसाय से भी जुड़ चुकी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद अपने हौसले, परिश्रम और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है।मुख्यमंत्री साय ने मंजू बहन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार का मंशा है कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना आज महिलाओं के आत्मविश्वास, सम्मान और आर्थिक मजबूती का मजबूत आधार बन रही है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने मंजू को लखपति दीदी योजना के अंतर्गत 30 हजार रुपये का प्रोत्साहन चेक भी प्रदान किया।

आजीविका डबरी से सशक्त हुईं राजिम बाई वर्मा

रायपुर। रायपुर जिले के अभनपुर विकासखंड के ग्राम तरी की राजिम बाई वर्मा ने सरकारी योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। राजिम बाई आज मनरेगा के तहत निर्मित आजीविका डबरी के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। पहले राजिम बाई वर्मा अपने खेत में बोर खनन करवाया था जिससे सिंचाई कर वे रबी फसल अपने खेत में लगाती थीं, लेकिन समय के साथ भू-जल स्तर नीचे चला गया इस कारण वे केवल एक ही फसल लेने तक सीमित हो गईं, जिससे उनकी आय पर असर पड़ा। इसी बीच ग्राम पंचायत के सरपंच ने उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत आजीविका डबरी निर्माण के बारे में जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि इस योजना के तहत बिना किसी आर्थिक खर्च के खेत में डबरी बनवाई जा सकती है, जिससे सिंचाई और अतिरिक्त आय के नए साधन विकसित किए जा सकते हैं। जानकारी से प्रेरित होकर राजिम बाई वर्मा ने पंचायत में आवेदन किया। तकनीकी सहायक द्वारा स्थल निरीक्षण कर अनुमान तैयार किया गया और उच्च कार्यालय को भेजा गया। तत्पश्चात् उनके नाम से आजीविका डबरी निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई।

आईपीएल ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। सक्ती में पुलिस ने आईपीएल ऑनलाइन सट्टा गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान मोबाइल फोन, नगदी और ऑनलाइन बेटिंग से जुड़े कई डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, हटरी धर्मशाला के पास मोबाइल और व्हाट्सप के जरिए ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क संचालित किया जा रहा था। जांच में आरोपी श्रेयांश अग्रवाल के मोबाइल से क्रिकेट गुरू एप मिला, जिसके माध्यम से आईपीएल मैचों पर दांव लगवाया जा रहा था। पुलिस को व्हाट्सएप चैट में रन, बॉल, विकेट और सेशन पर हार-जीत के लेन-देन के अहम सबूत मिले हैं। आरोपी के कब्जे से आईफोन 16 प्रो और वीवो जब्त किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 84 हजार रुपए बताई जा रही है। वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने आदर्श अग्रवाल को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि वह वजीरबुक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क चला रहा था। पुलिस को क्यू आर कोड, बैंक ट्रांजेक्शन और ऑनलाइन पेमेंट से जुड़े महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। पुलिस अब बैंक स्टेटमेंट और व्हाट्सअप चैट के आधार पर अन्य संदिग्ध लोगों की पहचान कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

चोरी का सामान खरीदने वाला कबाड़ी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर की टिकरापारा थाना पुलिस ने चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त करने वाले कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 82 हजार रुपये कीमत का चोरी गया बिजली सामान, ग्राइंडर और ड्रिल मशीन बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, मठपुरैना निवासी रविकांत वर्मा ने थाना टिकरापारा में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके निर्माणाधीन मकान से अज्ञात चोर ग्राइंडर मशीन, ड्रिल मशीन और बिजली वायर सहित करीब 82 हजार रुपये का सामान चोरी कर ले गए हैं। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर दो नाबालिग लड़कों की पहचान की। पूछताछ में दोनों ने चोरी करना स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी का सामान एक्टिवा से ले जाकर शंकर नगर स्थित गणेश कबाड़ी को बेच दिया था। पुलिस ने कबाड़ी दुकान में छापा मारकर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत कर रहे राज्यों की विकास यात्रा

लोकभवन में मनाया गया विभिन्न राज्यों का स्थापना दिवस

रायपुर/ संवाददाता

लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में हिमाचल प्रदेश, गुजरात, सिक्किम और महाराष्ट्र राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने कहा कि विविधता में एकता भारत की सबसे बड़ी शक्ति है और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' जैसे पहल देश के विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव, पारस्परिक सम्मान और राष्ट्रीय एकता को नई मजबूती प्रदान कर रही है। राज्यपाल ने कहा कि विकास और विरासत के साथ निरंतर आगे बढ़ रहे ये राज्य देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने महाराष्ट्र की वीरता, सामाजिक चेतना और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गुजरात की उद्यमशीलता, विकास मॉडल और ऐतिहासिक योगदान, हिमाचल प्रदेश की राष्ट्र भक्ति, सेवा भावना और प्राकृतिक संपदा तथा सिक्किम की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता और जैविक कृषि मॉडल की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि इन राज्यों की संस्कृति, परंपराएं, ऐतिहासिक योगदान और विकास यात्रा भारत की एकता और सामर्थ्य को और अधिक सशक्त करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन राज्यों के लोग राष्ट्र निर्माण और देश की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।समारोह में राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, लोकभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा इन सभी राज्यों के प्रतिनिधियों के रूप में युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गुमनाम नायकों का लोकभवन में हुआ सम्मान

लोकभवन में आयोजित विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस के अवसर राज्यपाल श्री डेका ने पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रीमती शुभांगी आप्टे एवं श्री संजय आप्टे, योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए श्री सुजॉय मंडल, कु, रूचि साहू, शिक्षा, पर्यावरण एवं समाज के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए श्री तुमन साहू, 12 वीं की प्रावीण्य सूची में पांचवां स्थान प्राप्त करने के लिए कु. कुसुमलता बिषरे को राज्यपाल द्वारा राजकीय गमछा पहनाया गया और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्हें 10-10 हजार रुपये की स्वेच्छानुदान राशि भी प्रदान की गई। राज्यपाल ने पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के तहत विशेष कर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग के बच्चों के साथ-साथ अन्य गरीब बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए श्री सूरज सिंह परिहार (आई.पी.एस.) को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक कार्य ऐसा करना चाहिए जिसमें लेने का न हो बल्कि समाज को देने का हो। आज जिन व्यक्तियों की सम्मानित किया गया राज्यपाल ने उनके कार्यों का उल्लेख करते हुए समाज में उनके योगदान की सराहना की और कहा कि अन्य लोगों भी इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

सुशासन तिहार में मछुआरों को मिला प्रोत्साहन,मत्स्याखेट जाल वितरित.....

- ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने मत्स्य पालन गतिविधियों को मिल रहा बढ़ावा

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और आजीविका संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित सुशासन तिहार के तहत मछुआ समुदाय को प्रोत्साहित करने की दिशा में लगातार पहल की जा रही है। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के विकासखंड रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम कमलपुर में आयोजित कार्यक्रम में मत्स्य व्यवसाय से जुड़े हितग्राहियों को मत्स्याखेट के लिए जाल वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने मछुआ सहकारी समिति मर्यादित धनेशपुर के सदस्य श्री भरत सिंह एवं श्री दिलप्रताप को मत्स्याखेट हेतु जाल प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य शासन गांवों में रहने वाले किसानों एवं मछुआरों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा मत्स्य पालन गतिविधियों को बढ़ावा देने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संबंधित हितग्राही ग्राम के बांध को 10 वर्षीय लीज पर लेकर समिति के माध्यम से मत्स्य पालन का कार्य कर रहे हैं। समिति द्वारा नियमित रूप से मत्स्य संवर्धन एवं मत्स्याखेट गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं तथा समिति सदस्यों की आय में भी वृद्धि हो रही है। कार्यक्रम में मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि मत्स्य व्यवसाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं स्वरोजगार का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभर रहा है। शासन द्वारा मछुआ समुदाय एवं मत्स्य सहकारी समितियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने लगातार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में नए रोजगार अवसर सृजित हो रहे हैं।

जून में छत्तीसगढ़ आ सकते है राहुल गांधी

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस आगामी चुनावों को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की तैयारी में जुट गई है। इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जून महीने में छत्तीसगढ़ दौरे की संभावना जताई जा रही है। करीब ढाई साल बाद राहुल गांधी राज्य के दौरे पर आएंगे। इससे पहले वे सितंबर 2023 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान छत्तीसगढ़ पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस का बड़ा प्रशिक्षण शिविर 21 जून से 30 जून के बीच रायपुर के चंपारण में आयोजित किया जा सकता है। इस शिविर में छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा के जिला कांग्रेस अध्यक्षों के शामिल होने की भी चर्चा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रस्ताव भेज दिया गया है और अब राहुल गांधी के कार्यालय से मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि हाल ही में नियुक्त 41 जिला कांग्रेस अध्यक्षों को शिविर में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अबूझमाड़ के सोमरू राम का बरसों का इंतजार खत्म

सुशासन शिविर में एक ही दिन में बना आधार कार्ड

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए चलाया जा रहा 'सुशासन तिहार 2026' अभियान दूरस्थ वनांचल के ग्रामीणों के लिए नई उम्मीद और खुशियां लेकर आ रहा है। इसकी एक बेहद सुखद तस्वीर नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से सामने आई है, जहाँ ग्राम पीडियाकोट निवासी श्री सोमरू राम पोडियाम का बरसों से लंबित आधार कार्ड सुशासन शिविर की तत्परता से महज एक ही दिन में बनकर तैयार हो गया। पोडियाकोट जैसे अत्यंत दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्र में रहने वाले सोमरू राम आधार

योजना की शुरुआत के बाद से ही अपना कार्ड बनवाने के लिए प्रयासरत थे। लेकिन भौगोलिक कठिनाइयों, संसाधनों की कमी और जरूरी सुविधाओं के अभाव के कारण उनका आधार कार्ड नहीं बन पा रहा था। पहचान का यह महत्वपूर्ण दस्तावेज न होने की वजह से उन्हें सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठाने में लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सुशासन तिहार के तहत आयोजित समाधान शिविर सोमरू राम के लिए वरदान साबित हुआ। शिविर में जैसे ही उनकी यह समस्या जिला प्रशासन के अधिकारियों के समक्ष आई, अधिकारियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल एक्शन लिया। शिविर स्थल पर ही उनके दस्तावेजीकरण और बायोमेट्रिक की प्रक्रिया पूरी कर उनका आधार पंजीयन कराया गया। जो काम सालों से अटका था, वह प्रशासनिक मुस्तैदी से कुछ ही घंटों में पूरा हो गया।

प्रेम,धोखा और कत्ल,आराधना की हत्या का आरोपी प्रेमी गिरफ्तार......

रायपुर। संवाददाता

कटेल टिकरा जंगल में नग्न अवस्था में मिली महिला की लाश ने पूरे इलाके को दहला दिया था, लेकिन सीसीटीवी फुटेज, बाइक नंबर और तकनीकी जांच ने उस खौफनाक सच से पर्दा उठा दिया जिसमें शादी का दबाव एक प्रेमी को खूनी बना गया। रायगढ़ जिले की थाना पूंजीपथरा पुलिस ने एक सनसनीखेज अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए अधिवक्ता आराधना सिदार हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। इस मामले का खुलासा करते हुए शशि मोहन सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मृतिका की हत्या उसके ही प्रेमी लोकनाथ पटेल ने सुनियोजित तरीके से की थी। 12 मई को थाना पूंजीपथरा पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम पूंजीपथरा के कटेल टिकरा जंगल के भीतर शासकीय जमीन पर एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी अनिल सोनी, डीएसपी सुशांतो बनर्जी, थाना प्रभारी रामकिंकर यादव, एफएसएल टीम, डॉग स्क्वॉड और पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का दृश्य बेहद भयावह था। महिला का शव नग्न अवस्था में पड़ा मिला। गांव के कोटवार अयोध्या प्रसाद माझी ने जंगल में लकड़ी लेने के दौरान शव देखा था और तत्काल पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव की पहचान शुरू की और थाना पूंजीपथरा में अपराध क्रमांक 108/2026 के तहत धारा 103(1) और 238 ब्रहस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान थाना चक्रधरनगर में दर्ज गुमशुदगी रिपोर्ट से पुलिस को पहला बड़ा सुराग मिला। घटनास्थल से बरामद कपड़े, सैंडल और फोटोग्राफ मृतिका के परिजनों को दिखाए गए, जिसके बाद शव की पहचान 31 वर्षीय अधिवक्ता आराधना सिदार निवासी ग्राम केकराझरिया लैलूंगा के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने कॉल डिटेल, तकनीकी साक्ष्य और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में एक युवक बाइक पर मृतिका को ले जाते दिखाई दिया। बाइक नंबर पुलिस के लिए सबसे अहम कड़ी साबित हुआ और इसी आधार पर पुलिस सक्ती जिले के ग्राम चारपारा निवासी 30 वर्षीय लोकनाथ पटेल पिता रामप्रसाद पटेल तक पहुंच गई। हिरासत में लेकर जब आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने पूरे हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा कर दिया।

व्हाट्सएप सूचना बनी जाल, शराब बेचते रंगे हाथों दबोचा गया कोचिया

रायपुर। व्हाट्सएप पर पहुंची एक सूचना ने शराब तस्करी का पूरा खेल बिगाड़ दिया, पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को रंगे हाथों दबोच लिया। भाटापारा शहर में अवैध शराब बिक्री के खिलाफचल रही कार्रवाई के बीच समाधान सेल एक बार फिर पुलिस के लिए बड़ा हथियार साबित हुआ है। पुलिस थाना भाटापारा शहर को समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 पर सूचना मिली कि सुरखी रोड बिजली ऑफिस के सामने एक व्यक्ति खुलेआम अवैध शराब बेच रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश शर्मा के निर्देशन में थाना भाटापारा शहर की टीम तत्काल एक्टिव हुई और बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस ने मौके पर कौशल यदू उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम सुरखी थाना भाटापारा ग्रामीण को अवैध रूप से शराब बेचते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 40 पाव देशी मसाला शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 4 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके पर ही शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ थाना भाटापारा शहर में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। कार्रवाई के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना बनी श्री सोनसाय बाकड़े के लिए राहत और बचत का माध्यम'

रायपुर/ संवाददाता

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना ग्रामीण परिवारों तथा आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण बीजापुर जिले के मांझीगुड़ा निवासी श्री सोनसाय बाकड़े हैं, जिनके जीवन में इस योजना ने नई रोशनी और आर्थिक राहत लेकर आई है। कभी हर महीने भारी-भरकम बिजली बिल की चिंता से परेशान रहने वाले श्री बाकड़े आज सौर ऊर्जा के माध्यम से न केवल बिजली खर्च में बड़ी बचत कर रहे हैं, बल्कि निर्बाध बिजली सुविधा का लाभ भी उठा रहे हैं। श्री सोनसाय बाकड़े बताते हैं कि पहले उनके घर का बिजली बिल प्रतिमाह लगभग 4 से 5 हजार रुपए तक पहुंच जाता था। बढ़ते बिजली खर्च के कारण परिवार का मासिक बजट प्रभावित होता था और कई बार बिजली बिल जमा करना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता था। लगातार बढ़ते खर्च के बीच उन्हें प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना की जानकारी मिली। योजना के लाभ और सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी के बारे में जानने के बाद उन्होंने अपने घर में सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया। योजना के तहत श्री बाकड़े को केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से कुल 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस सहायता से उनके घर में सोलर पैनल स्थापित किए गए। लगभग तीन माह पूर्व लगाए गए इन सोलर पैनलों से अब उनके घर में नियमित और पर्याप्त बिजली की आपूर्ति हो रही है। सबसे बड़ी राहत यह रही कि जहां पहले हर महीने हजारों रुपए का बिजली बिल आता था, वहीं अब यह घटकर केवल 120 रुपए से 500 रुपए तक सीमित हो गया है। इससे परिवार को आर्थिक रूप से काफी सहारा मिला है। अब घरेलू जरूरतों के लिए बिजली उपयोग करते समय अतिरिक्त खर्च की चिंता नहीं रहती। श्री बाकड़े का कहना है कि सौर ऊर्जा अपनाने से न केवल आर्थिक बचत हो रही है, बल्कि बिजली कटौती और अनियमित आपूर्ति जैसी समस्याओं से भी काफी हद तक छुटकारा मिला है। अब उनका परिवार पंखा, टीवी, मोटर और अन्य घरेलू उपकरणों का उपयोग बिना किसी परेशानी के कर पा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना को आम नागरिकों, विशेषकर ग्रामीण परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ लेने की अपील की। उनका मानना है कि यह योजना सिर्फबिजली बिल कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। श्री सोनसाय बाकड़े ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल आम लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही है।

उच्च स्तर पर चर्चा कर वैकल्पिक रास्ता निकाले

डामर की अनुपलब्धता के कारण सड़क डामरीकरण के नहीं हो पा रहे कार्य-मंत्री लखनलाल

रायपुर/ संवाददाता

वाणिज्य, उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी व श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुये कहा है कि मिडिल ईस्ट एशिया में युद्ध के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप हो रही डामर की अनुपलब्धता के कारण सड़कों के डामरीकरण का कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहे, जबकि राशि स्वीकृत कर निविदा आदि की कार्यवाही बहुत पहले की पूरी कर ली गई है, अतः उच्च स्तर पर चर्चा कर वैकल्पिक रास्ता निकाले तथा सड़कों की दशा सुधारें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बरसात से पूर्व नालों एवं नालियों का निर्माण कार्य अनिवार्य रूप से पूरा करायें, विकास

कार्यों में अपेक्षित गति लायें तथा जिन निर्माण एजेंसियों द्वारा कार्यों में लापरवाही दिखाई जा रही है, उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें, उन्हें ब्लेकलिस्ट करें। उक्ताशय के निर्देश उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज कोरबा में आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। मंत्री श्री देवांगन ने आज नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी, पं.रविशंकर नगर एवं बालको जोन के अधिकारियों व वार्ड पार्षदों की बैठक लेकर इन तीनों जोन के 28 वार्डों के विकास कार्यों की वार्डवार समीक्षा की। बैठक के दौरान महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन, अशोक चावलानी सहित अन्य वार्ड पार्षद उपस्थित थे। वर्षा ऋतु के आगमन एवं सड़कों का डामरीकरण कार्य न हो पाने को गंभीरता लेते हुये उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि बरसात आने में अब ज्यादा दिन नहीं है, निगम क्षेत्र की सभी प्रमुख सड़कों के डामरीकरण की स्वीकृति बहुत पहले प्राप्त हो चुकी है, निविदा आदि की कार्यवाही भी पूरी हो चुकी है, कार्यादेश भी दिये जा चुके हैं किन्तु मिडिल ईस्ट एशिया में युद्ध के कारण हर जगह डामर की अनुपलब्धता बनी हुई है, जिसके परिणाम स्वरूप कोरबा में भी सड़कों का डामरीकरण कार्य रूका हुआ है, उन्होंने अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि वे उच्च स्तर पर चर्चा करें।

संपादकीय

संकट का सामना करने की जिम्मेदारी आम नागरिकों की भी

पश्चिम एशिया में संघर्ष का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। ऊर्जा संकट और व्यापार में बाधाओं के कारण पैदा हुई चुनौतियों का दायरा बढ़ता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और मुद्रा (रुपये) के लगातार कमजोर होने से देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। उधर, अमेरिका और ईरान के तल्ख तेवरों से शांति समझौते पर बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है।ऐसे में अब मौजूदा संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक उपायों को अमल में लाना जरूरी हो गया है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रविवार को देश की जनता से पेट्रोलियम उत्पादों का संयमित तरीके से उपयोग करने, सोने की खरीदारी से परहेज करने, गैर जरूरी विदेश यात्रा से बचने और स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है।सरकार का मानना है कि इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत दुनिया भर में जारी ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, जिससे सरकारी कोष को मजबूत बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसमें दोराय नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है, लेकिन देश की जरूरत मुख्य तौर पर अभी भी जीवाश्म ईंधन से पूरी की जा रही है।ऐसे में जरूरी है कि मौजूदा संकट के दौरान आयातित ऊर्जा संसाधनों का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से और वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही किया जाए। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से तेल की आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे ऊर्जा का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।खबरों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में हुई बढ़ोतरी से देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है, जिस कारण आने वाले दिनों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ सकते हैं। हालांकि, अभी तक सरकार ने पेट्रोल-डीजल और घरेलू रसोई गैस के दामों को नियंत्रित करने के प्रयास किए हैं, लेकिन संकट गहराने से अब यह सब आसान नहीं होगा। इसके लिए वैकल्पिक उपायों पर गंभीरता से काम करना होगा, ताकि प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके।प्रधानमंत्री के आह्वान से इस बात के संकेत भी मिल रहे हैं कि आने वाले समय में रोजमर्रा के इस्तेमाल की जरूरी वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। यानी कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पाद जैसी वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।खबरों के मुताबिक, आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करने वाली देश की प्रमुख कंपनियां मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। यह सही है कि संकट जब गंभीर हो, तो उससे निपटने के लिए सरकारी उपायों के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे उसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। मगर इस सब के बीच यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इस तरह के उपायों का समाज के निचले और मध्य वर्ग की आजीविका पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े।

सिर्फ मुआवजा काफी नहीं- नाबालिग मांओं के भविष्य और बच्चों की नीति पर उठते बड़े सवाल

प्रजनन संबंधी स्वायत्तता, निजता और स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित मौलिक अधिकार हैं। समाज और कानून दोनों में बदलाव वक्त की जरूरत है।लंबे समय से संवेदनाओं के धरातल पर बलात्कार की शिकार बनी नाबालिग बच्चियों के गर्भ को बचाने के सवाल पर बहस जारी है। सवाल यह है कि क्या दुर्व्यवहार का दंश झेलने वाली बच्ची के स्वास्थ्य और भविष्य को जोखिम में डालना उचित है! हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा एक नाबालिग बलात्कार पीड़िता की तीस सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति पर आया निर्णय समग्र समाज के लिए विचारणीय है। इस मामले में न्यायालय ने न केवल समय के साथ कानून में बदलाव लाने की बात कही, बल्कि यह भी स्पष्ट कहा कि जब गर्भधारण बलात्कार के कारण हुआ हो, तो समय सीमा नहीं होनी चाहिए। ऐसे में अगर गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो पीड़िता को जीवनभर मानसिक आघात झेलना पड़ेगा। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात की अनुमति देते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को निर्देश दिया कि वह पीड़िता के माता-पिता को इस मुद्दे पर उचित परामर्श दे। अगर मां को स्थायी शारीरिक हानि नहीं होती है, तो गर्भपात किया जाना चाहिए। इस विषय में अंतिम निर्णय पीड़िता और उसके परिवार का होना चाहिए।

(मोनिका शर्मा)

अदालत ने केंद्र सरकार से भी कहा कि कानून में संशोधन कर बलात्कार पीड़िताओं को बीस सप्ताह से अधिक समय के बाद भी गर्भपात की अनुमति देने पर विचार किया जाए। देखा जाए तो शोषण और सामाजिक आक्षेपों से उपजी भावनाओं और उलझनों को समझने वाली इस टिप्पणी का एक मजबूत व्यावहारिक धरातल है।

गौरतलब है कि एम्स द्वारा उच्चतम न्यायालय की ओर से पंद्रह साल की लड़की को तीस सप्ताह की गर्भावस्था को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दिए जाने के आदेश को रद्द करने के लिए यह याचिका दाखिल की गई थी। मगर पीठ ने कहा कि 'यह एक उपचारात्मक याचिका है। किसी पर अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता। सोचिए कि वह एक बच्ची है, जिसे इस समय पढ़ाई करनी चाहिए, लेकिन हम उसे मां बनाना चाहते हैं।

उसने जो पीड़ा और अपमान सहा है, उसकी कल्पना कीजिए।' निश्चित रूप से मातृत्व एक बड़ी जिम्मेदारी और मन से जिया जाने वाला भाव है। समझना कठिन नहीं कि किसी नाबालिग की अवांछित गर्भावस्था को जबरन जारी रखने के मामले इस भाव से कोसों दूर होते हैं। बलात्कार के कारण हुई अनचाही गर्भावस्था जीवन के हर पक्ष पर दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं शिक्षा और सामाजिक-पारिवारिक जीवन भी बुरी तरह प्रभावित होता है। इसके बावजूद गर्भावस्था को कायम रखना सीधे-सीधे नागरिक अधिकारों का हनन है। ऐसे में शीर्ष अदालत ने भी कहा कि प्रजनन संबंधी स्वायत्तता, निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित मौलिक अधिकार है।ऐसे मामलों में राहत नहीं दी गई, तो अवैध तथा असुरक्षित गर्भपात केंद्रों की ओर रुख करने की समस्या बढ़ सकती है।

मानसिक आघात से सामाजिक उपेक्षा तक

बलात्कार जैसे जघन्य आपराधिक घटना की बदौलत हिस्से आए ऐसे हालात नाबालिग लड़कियों के भीतर अवसाद, चिंता और आत्महत्या की मनःस्थिति तक बना देते हैं। बहुत सारी पीड़ित महिलाओं को मनोवैज्ञानिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पढ़ाई छूट जाती है।

अपनों के व्यवहार में उनके प्रति सहजता का भाव नहीं रहता। सामाजिक परिवेश में भी उपेक्षा और उलाहने ही मिलते हैं। भविष्य हर मोर्चे पर असुरक्षित प्रतीत होता है। ज्ञात हो कि पिछले साल बंबई हाईकोर्ट ने भी पंद्रह वर्षीया बलात्कार पीड़िता को गर्भ हटाने की अनुमति दी थी। इस

मामले में पीड़िता ने कहा था कि वह भावनात्मक, आर्थिक और सामाजिक रूप से बच्चे की देखभाल नहीं कर पाएगी।

असल में बलात्कार की घटनाओं का परिणाम गर्भाधान के रूप में सामने आना पूरी दुनिया में चिंता का विषय बना हुआ है। अलग-अलग देशों में इससे जुड़े कानून अलग-अलग हैं। ऐसी घटनाओं से मिली मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना और अनचाही जिम्मेदारी का बोझ झेलने का दर्द सभी जगह एक-सा ही है। समझना आवश्यक है कि बलात्कार की शिकार नाबालिगों को गर्भावस्था के लक्षणों की कोई समझ नहीं होती। अधिकतर बच्चियों को इस बारे में पता चलने या स्वजनों को बताने में देरी हो जाती है। कुछ समय पहले शिमला में बलात्कार की शिकार एक नाबालिग पीड़िता द्वारा अपनी माता से पेट में दर्द की शिकायत करने पर गर्भवती होने का पता चला। कम उम्र में शारीरिक शोषण करने वालों में पचास फीसद आरोपी बच्चों के परिचित और परिवार के भरोसे वाले लोग होते हैं। नाबालिग बच्चियां डर की वजह से भी इनकी शिकायत नहीं कर पातीं। उत्पीड़न को लेकर अभिभावकों को कुछ नहीं बता पातीं। कानून से ज्यादा जरूरी सामाजिक संवेदनशीलता ऐसे मामलों में कानून के साथ-साथ समाज की सोच में भी बदलाव आवश्यक है। उत्पीड़न की शिकार नाबालिग के लिए यह स्थिति बिना कोई अपराध किए दंड मिलने जैसी होती है। ऐसे में न केवल परिवार का सहयोग और संबल जरूरी है, बल्कि कानूनी बदलाव भी वक्त का तकाजा है। आमतौर पर पहले से ही शोषण का दुख झेल रहीं बच्चियां बिल्कुल अकेली पड़ जाती हैं। पीड़ित बच्चियों के भविष्य पर अब भी अधूरा कानून बलात्कार के परिणामस्वरूप जन्म लेने वाले बच्चों के लिए फिलहाल कोई कानून नहीं है। कुछ साल पहले इलाहबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि नाबालिग से बलात्कार के बाद जन्मे बच्चे का दोषी पिता की संपत्ति पर अधिकार होगा। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा भी ऐसे बच्चे को मां से अलग मुआवजा देने का आदेश दिया जा चुका है। बंबई हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि पीड़िताओं को मुआवजा देना पर्याप्त नहीं, उनसे जन्मे बच्चों के लिए भी नीति बने। विचारणीय है कि यह स्थिति खुद नाबालिग मां या उसके परिवार के लिए ही सहज नहीं होती। कुछ समय पहले लखनऊ में बलात्कार की शिकार हुई बारह साल की बच्ची के मां बनने पर बच्ची और परिवार ने नवजात को घर ले जाने से इनकार कर दिया था। ऐसे में हालिया न्यायिक निर्णय बलात्कार का दंश झेल चुकी बच्चियों का भविष्य सहेजने वाला है।

अंग, बंग और कलिंग में खिला कमल- बंगाल में 'भय' पर 'भरोसे' की जीत और दीदी की विदाई

(सुधीश पचौरी)

ममता दीदी हार नहीं मान रहीं, वे कहती हैं–हमें हराया गया है। लोकतंत्र में स्थिति ऐसी हो गई है कि कोई हारकर भी इस्तीफा नहीं देता। 'इंडिया' के एक बड़े नेता ने पहले आरोप लगाया कि बंगाल में भाजपा के प्रवेश के लिए दीदी जिम्मेदार हैं।

एक चेतावनी चार मई के बाद गुंडों को उल्टा लटका कर सीधा कर देंगे! फिर एक जवाब - चार मई के बाद देखते हैं दिल्ली का कौन आपको बचाने आता है! चार मई की सुबह - चैनलों में मतदान बाद सर्वेक्षण को लेकर भिड़ंत जारी रही। भाजपा मतदान बाद जनमत सर्वेक्षण में आठ में से छह में जीतती दिखी, जबकि तृणमूल कांग्रेस दो में जीतती दिखी। तनाव जारी रहा। अंत में आए परिणाम और उनके साथ आई 'चार मई' की 'क्रांति'। तृणमूल कांग्रेस साफ, और भाजपा को तगड़ा बहुमत मिला। ममता दीदी को बड़ा झटका लगा। वे अपने गढ़ भवानीपुर चुनाव क्षेत्र से हार गईं और भाजपा के बड़े नेता शुभेंदु अधिकारी 15,000 मतों से जीत गए।

मतगणना के दौरान अपनी आसन्न हार को देखते हुए ममता दीदी का मतदान केंद्र में घुसना और देर तक बैठे रहना सामने आया। फिर सुरक्षा बलों पर धक्का-मुक्की के आरोप लगाए गए। अंत में भाजपा की प्रचंड जीत और तृणमूल कांग्रेस की करारी हार हुई और बंगाल में लोगों का जश्न मनाया गया। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन दिया कि 'अंग, बंग और कलिंग' में भाजपा की जीत हुई है। बंगाल में 'भय' की जगह 'भरोसे' की जीत हुई है। कई चैनलों ने इसे 'हिंदुत्व की जीत', 'सनातन की जीत', 'हिंदू एकजुटता की जीत' बताया। कुछ ने इसे ध्रुवीकरण की जीत कहा, तो कुछ ने कहा कि इससे 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों और 2029 के आम चुनावों में भाजपा की जीत का रास्ता साफ हो गया है। बंगाल की जनता के दमित विक्षोभ की अभिव्यक्ति भी दिखाई दी। कोई नाच रहा था, कोई गा रहा था, कोई झालमूड़ी और संदेश बांट रहा था। ढोल-चंग बज रहे थे, गुलाल लग रहा था, स्त्री-पुरुष, वृद्ध और बच्चे सभी शामिल थे। कुछ लोग कह रहे थे कि पंद्रह साल की तानाशाही खत्म हुई, दमन खत्म हुआ। चार मई की हार के बाद ममता दीदी को इस्तीफा देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने नहीं दिया। वे कहने लगीं कि वे हारी नहीं हैं, बल्कि हराई गई हैं। भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर सौ सीटें चुराई हैं। वे अदालत जाएंगी, जरूरत पड़ी तो अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी। वे लोकतंत्र और संविधान बचाने की बात करने लगीं।

'इंडिया' के एक बड़े नेता ने पहले आरोप लगाया कि बंगाल में भाजपा के प्रवेश के लिए दीदी जिम्मेदार हैं। लेकिन जब दीदी हार गईं, तो उन्होंने इसे वोट चोरी बताया। कहा गया कि पहले महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव भी चोरी किए गए। 'इंडिया' के एक अन्य नेता भी दीदी से मिलने पहुंचे, आंसू पोंछे और कहा कि चुनाव की चोरी की गई है। पहले उत्तर प्रदेश में हुई, आगे भी हो सकती है। इसके बाद बंगाल का असली हिंसक चेहरा सामने आया। चुनाव परिणाम के दो दिन बाद रात में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की उनकी कार में उनके घर के पास हत्या कर दी गई। इस घटना ने बंगाल की हिंसा को फिर से बहस में ला दिया। कुछ लोगों ने इसे हार की बौखलाहट बताया, तो कुछ ने कहा कि चुनाव के दौरान दी गई धमकियों का यह परिणाम है। इसके बाद यह हत्या भी उसी तरह बहस में निपटाई गई जैसे अन्य घटनाएं की जाती हैं। हर वक्ता और प्रवक्ता पहले अहिंसा का संदेश देता है, फिर हत्या की निंदा करता है और साथ ही प्रशासन, चुनाव आयोग और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाता है। इसी बीच राज्यपाल ने बंगाल की पिछली विधानसभा और मंत्रिमंडल को भंग कर दिया। इससे ममता बनर्जी के इस्तीफा न देने का मामला अप्रासंगिक हो गया और नई विधानसभा तथा नए मुख्यमंत्री के शपथ समारोह का मार्ग प्रशस्त हो गया। असम, केरल और पुदुचेरी में मिले जनादेशों पर कोई विवाद नहीं हुआ, लेकिन तमिलनाडु में मामला अटक गया। तमिल फिल्मी हीरो जोसेफ विजय का दल टीवीके बहुमत से दस-ग्यारह सीटें कम रह गया। कांग्रेस के पांच सदस्य उनके साथ आए, फिर भी बहुमत नहीं बना। जोसेफ विजय जब राज्यपाल के पास गए तो उन्हें कहा गया कि पहले बहुमत सिद्ध करें, तभी शपथ ली जाएगी। इसी बिंदु पर संविधान विशेषज्ञों में बहस छिड़ गई। एक पक्ष का मानना था कि विजय सबसे बड़ी पार्टी के नेता हैं, इसलिए राज्यपाल को उन्हें बहुमत सिद्ध करने का अवसर देना चाहिए था। लेकिन राज्यपाल अपने निर्णय पर अडिग रहे। अंत में यह चर्चा भी उठी कि लोकतंत्र में स्थिति ऐसी हो गई है कि कोई हारकर भी इस्तीफा नहीं देता और कोई जीतकर भी समय पर शपथ नहीं ले पाता। तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पार्टी के कुछ प्रवक्ता चेहरे अचानक दयनीय और उपहास के पात्र बनते दिखे। एक प्रवक्ता ने टीवी पर माफी मांगते हुए कहा कि वह दबाव में थे और सिर्फ प्रवक्ता थे, नेता नहीं। इसी संदर्भ में कहा गया कि छुरी बन, कांटा बन ओ माई सन! सब कुछ बन, किसी का प्रवक्ता नहीं बन! (यह लेखक के अपने विचार हैं)

मेक इन इंडिया से डिजिटल इंडिया तक - कॉरपोरेट सेक्टर की बढ़ती ताकत

निगमित क्षेत्र के इन आयामों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दृष्टि से पुराने श्रम कानून और व्यवसाय शुरू करने तथा उनको चलाने में अत्यधिक दस्तावेजीकरण निवेश को हतोत्साहित करते हैं।देश की अर्थव्यवस्था में निगमित क्षेत्र का महत्त्वपूर्ण योगदान है। यह क्षेत्र अब तेजी से वृद्धि और बदलाव के दौर में है। वर्तमान में यह संरचनात्मक परिवर्तनों, तकनीकी एकीकरण और स्थिरता की दिशा में विकास के चरण से गुजर रहा है। इस क्षेत्र में विनिर्माण क्षेत्र सर्वाधिक अहम है। पिछले कुछ वर्षों से इसकी गति धीमी चल रही थी।

(अजय जोशी)

अब इसके पुनरुद्धार की दिशा में किए गए प्रयासों से विनिर्माण क्षेत्र में तेज वृद्धि देखी जा रही है। नवंबर 2025 तक विनिर्माण क्षेत्र में 8.0 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है।सरकार की ओर से समय-समय पर जारी आंकड़ों के अनुसार, यह क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में इसमें 7.72 फीसद और दूसरी तिमाही में 9.13 फीसद वृद्धि दर्ज की गई है। सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लगभग 17 फीसद रहा है। ताजा संशोधित आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण की वृद्धि दर वर्ष 2025-26 में 11.5 फीसद रहने का अनुमान है। भारत का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को 17 फीसद से बढ़ा कर 25 फीसद करना है।

निगमित क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन का दौर भी तेजी से चल रहा है। बैंकिंग, खुदरा व्यवसाय, स्वास्थ्य सेवा और सामग्री प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआइ) को तेजी से अपनाया जा रहा है। निगमित क्षेत्र में ब्राडबैंड और इंटरनेट उपयोगकर्ता बढ़ रहे हैं। नवंबर 2025 तक ब्राडबैंड ग्राहकों की संख्या एक सौ करोड़ के पार चली गई, जो एक दशक पहले के 13.15

करोड़ से सात गुना अधिक है। देश के 99.9 फीसद जिलों में 5जी की सुविधा है और 5.18 लाख से अधिक बेस स्टेशन कार्यरत हैं। वहीं यूपीआइ लेन-देन भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डिजिटल देश है। देश में डेटा की लागत वर्ष 2014 के 269 रुपए प्रति गीगाबाइट से घट कर वर्ष 2025-26 में 8-10 रुपए प्रति गीगाबाइट रह गई है। डेटा सुरक्षा के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम- 2025 में लागू हुए, जिसमें बच्चों के डेटा और गोपनीयता के संबंध में सख्त प्रावधान किए गए हैं।

अब कारपोरेट क्षेत्र में केवल मुनाफे के बजाय पर्यावरणीय और सामाजिक शासन के मापदंडों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इससे हरित ऊर्जा और सतत विकास के क्रियाकलापों में निवेश बढ़ा है। निगमित संस्थाओं में पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदारियां बढ़ाई गई हैं। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए बने सीएसआर कोष से इसके लिए व्यय लगातार बढ़ रहा है। कंपनियां पर्यावरणीय पहलों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और जल संरक्षण आदि पर अधिक खर्च कर रही हैं।

सीएसआर के तहत प्रमुख कार्यों में भुखमरी, गरीबी और कुपोषण को दूर करना, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रमुखता से प्रयास किए गए हैं। अब कंपनियां केवल परियोजना-आधारित व्यय के बजाय, स्थायी विकास के लक्ष्यों को अपनी मूल व्यावसायिक रणनीतियों में शामिल कर रही हैं। कंपनियां पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को अपना रही हैं, ताकि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके। कई संस्थाएं 18 राज्यों में 2,250 गांवों और कस्बों में पांच लाख से अधिक परिवारों को जोड़ते हुए अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों के माध्यम से सतत विकास में योगदान दे रही हैं। इनका प्रमुख जोर पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने पर है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत नई इकाइयों को मंजूरी देकर वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। इन नवीन पहलुओं के परिणामस्वरूप, भारतीय निगमित क्षेत्र न केवल घरेलू मांग को पूरा कर रहा है, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। इन सभी के बीच देश के निगमित क्षेत्र में इस समय कई तरह की आर्थिक, ढांचागत और नियामक चुनौतियां हैं। इससे विकास और उत्पादकता प्रभावित होती है। विशेष रूप से लघु और मध्य आकार की कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार करने, नई तकनीक अपनाने या उत्पाद श्रृंखला में विविधता लाने के लिए आवश्यक पूंजी की कमी से जूझ रही हैं। भारत में लाजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 13-14 फीसद है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। खराब परिवहन प्रणाली, अपर्याप्त भंडारण और बिजली की कमी, ये सभी उत्पादन लागत को बढ़ाते हैं। जटिल नियामक ढांचा और नीतिगत अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और नियमों में बार-बार बदलाव निवेश को हतोत्साहित करते हैं। अनुसंधान और विकास में कम निवेश के कारण भारतीय उद्योग नवाचार और उद्यमिता के मामले में पीछे हैं। सख्त श्रम कानूनों के कारण भी निजी क्षेत्र को कार्य बल प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हतोत्साहित करते हैं। एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली को मजबूत करना तथा श्रम कानूनों का और सरलीकरण करना जरूरी है। खराब परिवहन से उत्पादन और वितरण लागत बढ़ जाती है। गति शक्ति पहल के तहत बहु-परिवहन प्रणालियों और समर्पित माल गलियारों में निवेश तेज करना तथा सामग्री प्रबंधन लागत को कम करने के प्रयास जरूरी है। (यह लेखक के अपने विचार है)

केंद्रीय विद्यालय बीजापुर के विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्राची झाड़ी ने 93.40 प्रतिशत, तरुण सिंह ठाकुर ने 90.20 प्रतिशत तथा यशश्वी डोंगरे ने 88.80 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की

कलेक्टर विश्वदीप ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

बीजापुर। केंद्रीय विद्यालय बीजापुर के विद्यार्थियों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, अपने परिवार तथा जिले का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय सफलता पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, बीजापुर तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विश्वदीप ने मेधावी विद्यार्थियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कक्षा 10वीं में विद्यालय की छात्रा कर्णिका तिवारी ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं कक्षा 12वीं में प्राची झाड़ी ने 93.40 प्रतिशत, तरुण सिंह ठाकुर ने 90.20 प्रतिशत तथा यश्वी डोंगरे ने 88.80 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की। इस अवसर पर कलेक्टर विश्वदीप ने विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षाएँ विद्यार्थियों के जीवन की महत्वपूर्ण आधारशिला होती हैं। इन परीक्षाओं में प्राप्त सफलता केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रतीक नहीं, बल्कि अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास का परिचायक भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक ऊँचाइयाँ प्राप्त करने हेतु प्रेरित करते हुए उन्हें जिले की भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों एवं चुनौतियों के बीच विद्यार्थियों द्वारा अर्जित यह सफलता अत्यंत सराहनीय है और यह सिद्ध करती है कि समर्पण एवं सतत प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अभिभावकों एवं शिक्षकों को भी इस उपलब्धि का श्रेय दिया। विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह सफलता आने वाले वर्षों में अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय बीजापुर सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है और विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उसी सतत प्रयास का परिणाम है। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे तथा विद्यालय के प्राचार्य पुष्पध्वज भी उपस्थित रहे।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से श्रमिक परिवारों के बच्चों का उज्ज्वल भविष्य हुआ साकार

आर्थिक अभाव नहीं बना शिक्षा में बाधा, बीजापुर के बच्चों ने प्रतिष्ठित विद्यालयों में पाया प्रवेश

बीजापुर। शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति की सबसे मजबूत नींव होती है। जब आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिलता है, तब उनके सपनों को नई दिशा और नई उड़ान मिलती है। ऐसी ही उम्मीद और परिवर्तन की मिसाल बन रही है अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना, जिसने श्रमिक परिवारों के बच्चों के जीवन में नई रोशनी भर दी है। यह योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा, उत्कृष्ट विद्यालयों में प्रवेश, शैक्षणिक सहायता तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का माध्यम बन रही है। बीजापुर जिले में भी इस योजना ने कई परिवारों के सपनों को साकार करने का कार्य किया है। ग्राम मद्देड़, विकासखंड भोपालपटनम की छात्रा अक्षया पिता-रामपति रमेश का चयन राजनांदगांव स्थित संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल में हुआ है। वहीं बीजापुर नगर के राजेंद्र प्रसाद वार्ड निवासी अतीस वारेगेम माता- नागमणि वारेगेम का चयन दिल्ली पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में तथा संजना वारेगेम का चयन राजकुमार कॉलेज रायपुर में हुआ है। इन बच्चों की उपलब्धियों ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। इन विद्यार्थियों के माता-पिता बताते हैं कि वे बेहद साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आते हैं। सीमित आय के कारण बच्चों को बेहतर विद्यालयों में पढ़ाना उनके लिए लगभग असंभव था। वे चाहते थे कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ें, लेकिन आर्थिक स्थिति बार-बार उनके सपनों के सामने बाधा बन रही थी। श्रम विभाग में पंजीयन के बाद उन्हें अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की जानकारी मिली। योजना के तहत बच्चों को प्रतिष्ठित विद्यालयों में प्रवेश का अवसर मिला, जिससे उनके परिवारों में नई उम्मीद जगी। पहले जहां बच्चे सामान्य सरकारी विद्यालयों में अध्ययन कर रहे थे, वहीं अब वे उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण में आधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। माता-पिता बताते हैं कि बच्चों की पढ़ाई में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है, नई चीजें सीखने की उत्सुकता पैदा हुई है और उनके उज्ज्वल भविष्य की राह अब पहले से कहीं अधिक आसान दिखाई दे रही है। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना उन श्रमिक परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बन रही है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं दिला पा रहे थे। यह योजना केवल शिक्षा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के सपनों को साकार करने और समाज में समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने सड़कों, पुलों और राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की

पहुंचविहीन गांवों में बारहमासी आवाजाही के लिए पुलों व सड़कों के प्रस्ताव शासन को भेजने के दिए निर्देश

नारायणपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने जिला मुख्यालय नारायणपुर में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की बैठक लेकर जिले में निर्माणाधीन सड़कों, पुलों और राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को कार्यों में तेजी लाते हुए पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्माण पूर्ण करने को कहा। कलेक्टर नम्रता जैन, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग के मुख्य अभियंता ज्ञानेश्वर कश्यप और जगदलपुर परिक्षेत्र के अधीक्षण अभियंता संजय सूर्यवंशी भी बैठक में मौजूद थे। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने नारायणपुर में बैठक के बाद कोंडागांव से नारायणपुर होते हुए महाराष्ट्र सीमा तक निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग-130डी के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को इस महत्वाकांक्षी सड़क का काम समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे की क्षेत्रवासियों को इस सड़क का लाभ शीघ्र मिल सके। लोक निर्माण विभाग के सचिव बंसल ने बैठक में नारायणपुर जिले के पहुंचविहीन गांवों में बारहमासी आवाजाही के लिए पुलों व सड़कों के प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने इस साल के बजट में शामिल कार्यों के डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए जल्द से जल्द शासन को भेजने को कहा। विभागीय सचिव ने सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए भू-अर्जन और वन-व्यपवर्तन के मामलों की समीक्षा की। उन्होंने ठेकेदारों से चर्चा कर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति और भुगतान की स्थिति की भी जानकारी ली।

श्रमिक सम्मेलन में शामिल हुए विधायक नीलकंठ टेकाम, सामुदायिक भवन की मिली सौगात

केशकाल। विकासखंड बड़ेराजपुर अंतर्गत ग्राम पेंड्रावन में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जहां क्षेत्रीय विधायक नीलकंठ टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में विधायक ने श्रमिकों के लिए 20 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए हेल्थ चेकअप शिविर भी लगाया गया तथा श्रमिक कार्ड बनाए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रमिक संघ के अध्यक्ष ने की। इस अवसर पर श्रमिक संघ की ओर से विधायक द्वारा सामुदायिक भवन की सौगात दिए जाने पर आभार व्यक्त किया गया। इसी क्रम में विधायक नीलकंठ टेकाम अपने दौरा कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत बाड़ागांव पहुंचे, जहां प्रधानमंत्री आवास निर्माण के दौरान जमीन से प्रकट हुए भगवान शिवलिंग के दर्शन किए। उन्होंने क्षेत्र एवं ग्रामवासियों की सुख-समृद्धि के लिए पूजा-अर्चना कर प्रार्थना की। ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए जितनी भी आर्थिक सहायता की आवश्यकता होगी, वह उनके द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह क्षेत्र पर्यटन के रूप में अपनी अलग पहचान बनाएगा। विधायक ने बताया कि क्षेत्र के निकट स्थित मांझीनगढ़, भारतमाला परियोजना के तहत बन रही सड़क एवं टनल, तथा पेंड्रावन स्थित माता मंदिर इस क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पेंड्रावन माता मंदिर की ख्याति देश-विदेश तक फैली हुई है और यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की मन्नतें पूरी होने की मान्यता है। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष मनाराम मरकाम, भाजपा जिला मंत्री अंजोरी नेताम, रविंद्र पांडे, दुखा मरकाम, लखन नेताम, सुनील जैन, मालों नेताम, दलसाय परस्ते, भांजदेव वैद्य, बुधमन मरकाम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

श्रीमदभागवत स्वंय भगवान की है दिव्य प्रतिमूर्ति जीवन संवारती मृत्यु सुधारती यह अमूल्य कृति

वेदी पूजन कलशयात्रा के साथ भागवत महोत्सव का शुभारंभ

भाटापारा। सनातन धर्म अध्यात्म की अथाह गहराईयों से जीवन सूत्र के अमूल्य मोतियों के उपार्जन का प्रमुख माध्यम है और इसके स्त्रोत है। विभिन्न शास्त्र एवं वेद पुराण जिन्हे ऋषि मुनियों द्वारा अपने तपोबल एवं साधना के द्वारा सृजित किया गया है, कुछ शास्त्रों को स्वंय भगवान की वाणी माना जाता है। ऐसी ही एक दिव्य कृति है श्रीमदभागवत जिसकी अपार महिमा युगों युगों से गायी जा रही है, और इसके श्रवण या आयोजन को कोटि कोटि पुण्यदायी के साथ मोक्ष का अहम माध्यम माना जाता है।

वृन्दावन हिताश्रम मे दिव्य आयोजन

जिस तरह विभिन्न शास्त्र अपनी दिव्य महिमा के लिए जाने जाते है उसी तरह कालावधि और स्थान भी अहम मायने रखती है। इसी कड़ी मे अत्यंत पुण्यदायी एवं फलदायी मास है पुरुषोत्तम मास, जिसमे भगवान विष्णु की आराधना का विधान है और इस मास मे किए गये पुण्य कार्य कई गुना फल प्रदान करते है। ऐसी मान्यता है, ऐसे पावन मास मे स्वंय भगवान के धाम मे छत्तीसगढ़ के गौरव आचार्य झम्मन शास्त्री के श्रीमुख से श्रीमदभागवत कथा का अनुष्ठान सहज ही इस भक्ति महोत्सव को दिव्य एवं भव्य बनाती प्रतीत हो रही है। जिसकी साक्षी बन रही है वृन्दावन धाम का हिताश्रम जहां वट सावित्री के पावन पर्व मे भक्ति महोत्सव का शुभारंभ हुआ।

वेदीपूजन कलशयात्रा के साथ शुभारंभ

श्रीमदभागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह भक्ति महोत्सव का शुभारंभ वेदी पूजन कलशयात्रा के साथ हुआ, जिसमें छत्तीसगढ के विभिन्न जिलों सहित भाटापारा से आये श्रद्धालुजनों द्वारा उत्साहपूर्ण भागीदारी निभाई गयी। भक्तिमय जयकारे के साथ भागवत भगवान एवं कथाव्यास आचार्य झम्मन शास्त्री की आगवानी के साथ भव्य भक्ति महोत्सव का शुभारंभ हुआ।

प्रथम दिवस पृष्ठभूमि पर प्रकाश

श्रीमदभागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह भक्ति महोत्सव के शुभारंभ दिवस पर व्यासपीठ से श्रोतागणों को कथा श्रवण कराते हुए व्याख्यान दिवाकर आचार्य झम्मन शास्त्री द्वारा श्रीमदभागवत के उदभव एवं महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्नत जीवन के लिए श्रीमदभागवत की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। उन्होंने कहा कि श्रीमदभागवत स्वंय भगवान कृष्ण की प्रतिमूर्ति है। उन्होने यह भी कहा कि श्रीमदभागवत जीवन को संवारने एवं मृत्यु को सुधारने वाली अमूल्य कृति है।

आरती पूजन एवं प्रसादी वितरण के साथ प्रथम दिवस की कथा संपन्न हुई, आयोजक गणों जिनमे लता शर्मा, चन्द्रकांता शर्मा, अखिलेश शर्मा तारिणी शर्मा अरविंद शर्मा घनेश्वरी शर्मा आदि द्वारा आचार्य झम्मन शास्त्री को उनकी प्रतिमूर्ति प्रदान कर श्रद्धा एवं सम्मान की अभिव्यक्ति दी गयी।

रावबेडामारी में मनरेगा अंतर्गत जल पुनर्भरण रिचार्ज पिट निर्माण शुरू

केशकाल। केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम रावबेडा के आश्रित ग्राम रावबेडामारी में सामुदायिक वन संसाधन अधिकार क्षेत्र के तहत मनरेगा योजना से लगभग 8 लाख रुपये की लागत से जल पुनर्भरण रिचार्ज पिट निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। कार्य का विधिवत शुभारंभ गांव के गायता पुजारी द्वारा पारंपरिक सेवा अर्जी के साथ किया गया। इस अवसर पर ग्राम सभा अध्यक्ष संगीता परचापी, वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष संदीप परचापी, सचिव सनवारु गावड़े, कोषाध्यक्ष बिरजो नाग, उपसरपंच रामनाथ पद्दा, वार्ड सदस्य राकेश आचला एवं जानकी परचापी, रोजगार सहायक शिवनाथ नाग, पूर्व ग्राम सभा अध्यक्ष राजेश आचला तथा सुदेश परचापी सहित योजना प्रबंधन समिति, शांति न्याय समिति एवं ग्राम सभा के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने बताया कि मनरेगा के तहत इस कार्य के प्रारंभ होने से गांव में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं, जिससे ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। साथ ही यह निर्माण कार्य जल संरक्षण एवं भूजल स्तर सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र प्राप्त होने के बाद से रावबेडामारी में ग्राम सभा नियमित रूप से आयोजित की जा रही है। गांव के सभी महत्वपूर्ण निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं तथा प्रत्येक विकास कार्य को ग्राम सभा में प्रस्तुत कर सर्वसम्मति से स्वीकृति दी जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले गांव से जुड़े निर्णय बाहरी लोगों द्वारा लिए जाते थे, लेकिन अब जागरूकता बढ़ने के साथ ग्राम सभा सशक्त हुई है और गांव के विकास से जुड़े सभी निर्णय ग्राम सभा के माध्यम से ही लिए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि ग्राम सभा के जरिए ही गांव का समग्र एवं सतत विकास संभव है।

नगर पालिका के पार्षद गणों एवं नगर पालिका कर्मचारियों की एक संयुक्त बैठक आयोजित

नारायणपुर। नगर पालिका नारायणपुर द्वारा छत्तीसगढ़ शासन नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नीति 2026 की जानकारी देने के लिए नगर के गणमान्य नागरिकों, नगर पालिका के पार्षद गणों एवं नगर पालिका कर्मचारीयों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नीति के तहत नगरीय निकाय की जिम्मेदारी तथा आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी तय की गई है। इस नीति से ठोस अपशिष्ट का प्रभावी निपटान होगा जिससे शहर सुन्दर और स्वच्छ बनाने मे कारगर साबित होगा। इस नीति की जानकारी हेतु नगर पालिका कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, उपाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचंद्र यादव, रीता मंडल, संगीता जैन, कीर्ति पोटाई, संतोष गोटा, संजय नंदी, कमलापति मिश्र, नेहा कश्यप, प्रवीण जैन, रमशीला नाग, कौशल बघेल, गोविंद भोयर, हेमंत पात्र आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हाइवे पर मेटाडोर चालक की हत्या, दो युवक गिरफ्तार

बिलासपुर। बिल्हा पुलिस ने हाईवे पर चलती गाड़ियों पर ईंट-पत्थर फेंककर आतंक मचाने वाले दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। इस जघन्य वारदात में एक मेटाडोर ड्राइवर की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए थे। रात करीब 1 बजे ग्राम झाल मेन रोड और बरतोरी क्षेत्र में अचानक दो युवकों ने हाईवे पर दौड़ रही गाड़ियों पर पत्थर बरसाना शुरू कर दिया। पथराव इतना भीषण था कि ट्रक, मेटाडोर और स्कॉर्पियो समेत कई वाहनों के शीशे टूट गए और वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इसमें लोरमी निवासी मेटाडोर चालक जगदीश भोंसले की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक सहित स्कॉर्पियो में सवार चार अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। बिल्हा पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और 50 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले। मोबाइल टावर डंप डेटा का भी विश्लेषण किया गया। जांच में एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक बार-बार दिखाई दिए। सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने धमतरी निवासी 21 वर्षीय पंकज कुमार ध्रुव और बिल्हा निवासी 30 वर्षीय मोहन निषाद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल लिया। पंकज ने बताया कि वह अपनी प्रेमिका से मिलने बिल्हा आया था। इसी दौरान दोनों ने हाईवे पर लूटपाट और दहशत फैलाने के इरादे से गाड़ियों पर पत्थर फेंके। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और पत्थर भी बरामद कर लिए हैं।

फॉर्म हाउस से 8 रसूखदार जुआरी गिरफ्तार, लाखों की नगदी और लग्जरी कारें जब्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कोनी पुलिस ने फॉर्म हाउस में चल रहे हाई-प्रोफाइल जुआ अड्डे पर दबिश देकर 8 रसूखदार जुआरियों को गिरफ्तार किया। मौके से लाखों की नगदी, महंगी कारें और कई मोबाइल फोन बरामद किए गए। एसएसपीके निर्देश पर सभी आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। कोनी थाना क्षेत्र के एक शानदार फॉर्म हाउस में लंबे समय से जुआ खेलने की सूचना पुलिस को मिल रही थी। पुख्ता जानकारी के बाद टीम ने देर रात छापा मारा। पुलिस ने पहुँचते ही सभी जुआरी को पकड़ लिया। मौके से बरामद किए गए सामान छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 3,80,000 नगद, 5 लग्जरी कारें व 11 मोबाइल फोन जब्त किया है। एसएसपी के निर्देशन में कोनी पुलिस ने पूरे मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए सभी 8 आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

बिलासपुर पुलिस का सख्त अलर्ट! अब होटल में ठहरते ही पुलिस तक पहुंचेगी हर मेहमान की जानकारी

बिलासपुर। होटल, लॉज और फार्महाउस अब सिर्फ ठहरने की जगह नहीं रहेंगे बिलासपुर पुलिस ने सुरक्षा का डिजिटल शिकंजा कसते हुए साफ कर दिया है कि अब हर मेहमान की एंट्री सीधे पुलिस रिकॉर्ड तक पहुंचेगी, ताकि अपराधियों, संदिग्धों और फरार बदमाशों पर तुरंत नजर रखी जा सके। बिलासपुर पुलिस ने कानून व्यवस्था को हाईटेक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए करीब 110 होटल, लॉज और फार्महाउस संचालकों की अहम बैठक आयोजित की। डीआईजी एवं एसएसपी श्री रजनेश सिंह के नेतृत्व और निर्देशन में हुई इस बैठक में एडिशनल एसपी शहर श्री पंकज पटेल, सीएसपी सिविल लाइन श्री निमितेश परिहार और एसडीओपी कोटा श्रीमती नूपुर उपाध्याय ने होटल संचालकों को समाधान ऐप की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने साफ शब्दों में बताया कि अब होटल में ठहरने वाले हर व्यक्ति की जानकारी डिजिटल तरीके से सीधे पुलिस विभाग तक पहुंचाई जाएगी, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल निगरानी रखी जा सकेगी और अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी। बैठक में होटल संचालकों को समाधान ऐप डाउनलोड करने, पंजीयन प्रक्रिया पूरी करने और उसके उपयोग की पूरी विधि समझाई गई। पुलिस अधिकारियों ने निर्देश दिए कि होटल, लॉज या फार्महाउस में ठहरने वाले प्रत्येक अतिथि का वैध पहचान पत्र अनिवार्य रूप से सत्यापित किया जाए और उसकी पूरी जानकारी समयबद्ध तरीके से ऐप पर अपलोड की जाए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ औपचारिकता नहीं बल्कि शहर की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। अधिकारियों ने कहा कि कई बार अपराधी, संदिग्ध और फरार आरोपी होटल या लॉज में पहचान छिपाकर रुकते हैं, ऐसे में समाधान ऐप पुलिस को रियल टाइम जानकारी उपलब्ध कराएगा और कार्रवाई को तेज बनाएगा। बैठक में मौजूद संचालकों से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने और ऐप का नियमित उपयोग सुनिश्चित करने की अपील की गई। बिलासपुर पुलिस ने सभी होटल, लॉज, रिसॉर्ट और फार्महाउस संचालकों के लिए समाधान ऐप डाउनलोड कर हर अतिथि की जानकारी अपलोड करना अनिवार्य बताया है। गौरतलब है कि पुलिस की यह डिजिटल पहल शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के साथ अपराधियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

पीएम सूर्यघर योजना से रोशन होंगे बैगा आवास

सुशासन तिहार के आवेदनों का त्वरित निराकरण करने कलेक्टर के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत निर्मित बैगा आवासों को अब पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित किया जाएगा। इसके तहत बैगा परिवारों के घर सौर ऊर्जा से रोशन होंगे तथा हितग्राही अंश की राशि जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ मद से वहन की जाएगी। बैठक में उन्होंने सुशासन तिहार के तहत प्राप्त साढ़े 9 हजार आवेदनों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सहित शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में ई-डिस्ट्रिक्ट योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि अब आम नागरिकों के लिए सेवाओं की संख्या बढ़ाकर 441 कर दी गई है। कलेक्टर ने कहा कि इन सेवाओं का समय-सीमा में निराकरण जिले की प्रशासनिक रैंकिंग से भी जुड़ा है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। जनगणना कार्य की समीक्षा में जानकारी दी गई कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं नगरीय निकायों में कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। नगर निगम क्षेत्र में भी एक-दो दिनों में यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। बरसात पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नगर निगम को 10 जून तक नाली सफाई कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव और मौसमी बीमारियों की आशंका को देखते हुए सफाई व्यवस्था में तेजी लाई जाए।डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों के संबंध में कलेक्टर ने शासी परिषद से अनुमोदित कार्यों के तकनीकी स्वीकृति प्रस्ताव शीघ्र भेजने को कहा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला पचरी घाटों के दोनों ओर सुरक्षा दीवार निर्माण हेतु चारों विकासखंडों से 25-25 प्रस्ताव मंगाए गए हैं। साथ ही तालाबों में गंदे पानी की आवक रोकने के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पेट्रोल-डीजल उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ईंधन की कमी का हवाला देकर कोई भी शासकीय कार्य प्रभावित नहीं होना चाहिए। विभाग अपनी पूर्व खपत और आवश्यकता के आधार पर औचित्यपूर्ण मांग प्रस्तुत करें, आवश्यकतानुसार उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने ज्ञान भारतम योजना अंतर्गत पांडुलिपि खोज अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री के संभावित आगमन एवं समीक्षा बैठक को लेकर सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

सुशासन तिहार में गांव पहुंचा राजस्व अमला

अतिवृष्टि प्रभावित 61 परिवारों को मिला मुआवजा

बिलासपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशन में राजस्व पुस्तक परिपत्र में उल्लेखित प्रावधानों के तहत अतिवृष्टि एवं बाढ़ से प्रभावित 61 आदिवासी परिवारों को राहत सहायता राशि उनके गांव मझगवां पहुंचकर वितरित की गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोटा के मार्गदर्शन में तहसील बेलगहना अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगवां के मोहल्ला सरार टिकरा में पूर्व वर्षों के लंबित प्रकरणों का निराकरण करते हुए 61 प्रभावित हितग्राहियों को आंशिक मकान क्षति के लिए सहायता राशि प्रदान की गई। राजस्व पुस्तक परिपत्र के अनुसार आंशिक मकान क्षति की स्थिति में प्रति हितग्राही अधिकतम 4 हजार रुपए की सहायता राशि दिए जाने का प्रावधान है। इसी के तहत सभी 61 हितग्राहियों को 4-4 हजार रुपए के मान से कुल 2 लाख 44 हजार रुपए की सहायता राशि वितरित की गई। सभी लाभार्थी आदिवासी समाज से संबंधित हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर नायब तहसीलदार राहुल साहू स्वयं गांव पहुंचकर हितग्राहियों को मुआवजा राशि के चेक वितरित किए। इस दौरान ग्रामीणों ने लंबित प्रकरणों के निराकरण एवं गांव में पहुंचकर सहायता राशि वितरण के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

20 मई को दवा दुकानें बंद रहेंगी, आपात कालीन सेवाओं के लिए प्रशासन अलर्ट

■ जन औषधि व सरकारी मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे

बिलासपुर। ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध सहित विभिन्न मांगों को लेकर देशभर के केमिस्ट एवं दवा वितरकों के राष्ट्रीय संगठन ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा 20 मई 2026 को एकदिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद का आह्वान किया गया है। इस बंद के समर्थन में जिले के केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट संघ द्वारा भी मेडिकल स्टोर बंद रखने की अग्रिम सूचना प्रशासन को दी गई है।जिला बिलासपुर में इस संभावित स्थिति को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जारी अपील के अनुसार, किसी भी आपातकालीन स्थिति में नागरिक ब्लॉक स्तर पर जारी संपर्क सूची के माध्यम से संबंधित मेडिकल स्टोर या अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगे और डॉक्टर की पर्ची के आधार पर आवश्यक दवाएं प्राप्त कर पाएंगे। इसके लिए सहायक औषधि नियंत्रक, औषधि निरीक्षक एवं संबंधित अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी सार्वजनिक किए गए हैं, ताकि जरूरतमंदों को तुरंत सहायता मिल सके। ओषधीय प्रशासन विभाग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जिला चिकित्सालय सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र, धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर तथा रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित मेडिकल स्टोर 20 मई को खुले रहेंगे। इन केंद्रों से आम नागरिकों को सस्ती एवं आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि घबराएं नहीं और आवश्यक होने पर ही दवाएं खरीदें। किसी भी असुविधा की स्थिति में जारी हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। जिला प्रशासन का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

कृषि प्रसार डिप्लोमा कोर्स हेतु प्रशिक्षक भर्ती, आवेदन 26 मई तक

बिलासपुर। कार्यालय परियोजना संचालक (आत्मा) सह उप संचालक कृषि द्वारा डीएईएसआई अंतर्गत कृषि आदान विक्रेताओं को कृषि प्रसार में डिप्लोमा कोर्स का प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु प्रशिक्षक (फेसीलिटेटर) की नियुक्ति की जानी है। इच्छुक उम्मीदवार 26 मई 2026 शाम 5 बजे तक कार्यालय में निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा कर सकते हैं। यह भर्ती 1 वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी। आवेदन पत्र के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है। उम्मीदवार के लिए कृषि या उद्यानिकी में स्नातक, स्नातकोत्तर डिग्री एवं संबंद्ध क्षेत्रों में न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव अनिवार्य रखा गया है। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग, कृषि एवं महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्र जैसे संस्थानों में लगभग 20 वर्ष का अनुभव रखने वाले और पर्याप्त क्षेत्र अनुभव वाले कृषि स्नातकों को प्राथमिकता दी जा सकती है। कृषि विभाग के नियमित शासकीय कर्मचारी को डीएईएसआई कार्यक्रम में फेसिलिटेटर के रूप में भर्ती के पात्र नहीं होंगे। साथ ही उम्मीदवार को कृषि गतिविधियों का पर्याप्त ज्ञान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन का अनुभव होना चाहिए। उम्मीदवारों में अच्छे संचार कौशल होने चाहिए और वे डीएईएसआई कार्यक्रम के लिए इनपुट डीलरों को जुटाने में सक्षम होने चाहिए। उम्मीदवार को कम्प्यूटर और स्मार्टफोन चलाने में कुशल होना चाहिए तथा डीएईएसआई कार्यक्रम के दस्तावेजीकरण और डेटाबेस प्रबंधन को स्वतंत्र रूप से संभालने में सक्षम होना चाहिए।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं..... अधिकारियों को दिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश

बिलासपुर। जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आज कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने लोगों की समस्याएं सुनी। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने कलेक्टर से मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। कलेक्टर ने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल एवं एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में ग्राम पंचायत उड़ेला के किसानों ने जनदर्शन में सामूहिक आवेदन देते हुए बताया कि ग्राम के जनक राम कौशिक व जगत कौशिक द्वारा आम निस्तारी रास्ते पर अवैध कब्जा कर लिया गया है जिस

कारण से लगभग 25 किसानों को किसानी के लिए आने जाने में परेशानी हो रही है। ग्राम चकरभाठा निवासी श्रीमती प्रभा मानिकपुरी ने अपने दिव्यांग पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र जारी नहीं होने की शिकायत करते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की। आवेदन में बताया गया कि अस्पताल एवं संबंधित विभाग में आवश्यक जानकारी दर्ज नहीं होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पा रहा है। ग्राम पंचायत कपसियाखुर्द के पूर्व सरपंच कमल बाई राजपूत द्वारा पंचायत क्षेत्र में कराए गए विभिन्न निर्माण कार्यों की भुगतान राशि लंबित होने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक ने कार्यों के सत्यापन एवं भुगतान की मांग की है। विजयपुर निवासी बहोरिक पाल ने राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज भूमि संबंधी त्रुटि सुधार कराने हेतु आवेदन दिया। आवेदन में अधिग्रहित भूमि के रिकॉर्ड से नाम विलोपित कर सिंचाई विभाग का नाम दर्ज कराने की मांग की गई। जनदर्शन में आई वृद्ध महिला ढयाना बाई ने बताया कि वह एक गरीब महिला है। निराश्रित पेंशन राशि से वह अपना जीवन यापन करती है। कुछ दिनों पूर्व उनके मकान में अज्ञात चोरों द्वारा उनका सब सामान चोरी कर लिया गया है और इस पर किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। शहर के दिव्यांग मुकेश सिंह ठाकुर ने कलेक्टर ने मुलाकात कर ट्राइ सायकल की मांग की एवं स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता के लिए गुहार लगाई।

स्वनिधि योजना से मिला आर्थिक संबल-अपर्णा और ज्योति ने आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाए कदम

बिलासपुर। सुशासन तिहार के तहत तालापारा में आयोजित समाधान शिविर कई जरूरतमंद लोगों के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आया। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जब सीधे लोगों तक पहुंचा, तब अनेक परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जगी।तालापारा की अपर्णा डे और ज्योति मिरी को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत आर्थिक सहायता मिली है। इस सहायता ने न केवल उनके छोटे व्यवसाय को नई दिशा दी है , बल्कि आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी मिला है। ज्योति मिरी पिछले कई वर्षों से सब्ज़ी व्यवसाय से जुड़ी हुई हैं। वे प्रतिदिन सुबह बाजार से सब्ज़ियां खरीदकर मोहल्लों और आसपास के क्षेत्रों में बेचती थीं। सीमित पूंजी होने के कारण उन्हें कम मात्रा में ही सामान खरीदना पड़ता था, जिससे आमदनी भी सीमित रहती थी। कई बार आर्थिक परेशानियों के चलते व्यवसाय को जारी रखना भी मुश्किल हो जाता था। इसके बावजूद ज्योति ने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करती

रहीं। सुशासन तिहार के दौरान आयोजित समाधान शिविर में उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। अब ज्योति इस राशि से अपने व्यवसाय का विस्तार करने की योजना बना रही हैं। वे अधिक मात्रा में सब्ज़ियां खरीद सकेंगी, जिससे उनकी आमदनी बढ़ेगी और परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकेगी। ज्योति कहती हैं कि यह सहायता उनके लिए केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का एक नया अवसर है। वहीं अपर्णा डे सिलाई कार्य में कुशल हैं और लंबे समय से घर से छोटा सिलाई सेंटर संचालित कर रही थीं। वे महिलाओं और बच्चों के कपड़ों की सिलाई कर अपने परिवार की मदद करती थीं। लेकिन संसाधनों की कमी और सीमित आय के कारण वे अपने काम को बड़े स्तर पर शुरू नहीं कर पा रही थीं। कई बार उन्हें ऑर्डर मिलने के बावजूद पर्याप्त मशीन और सामग्री नहीं होने के कारण काम छोड़ना पड़ता था। समाधान शिविर में स्वनिधि योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता ने अपर्णा के सपनों को नई उड़ान दी है। अब वे सिलाई मशीन, आवश्यक सामग्री और अन्य संसाधन खरीदकर अपने सिलाई सेंटर को व्यवस्थित रूप से संचालित करने की तैयारी कर रही हैं। अपर्णा का सपना है कि भविष्य में वे अपने सेंटर में अन्य महिलाओं को भी प्रशिक्षण और रोजगार का अवसर दें, ताकि वे भी आत्मनिर्भर बन सकें।

आयुक्त बिलासपुर संभाग ने प्रकरणों की सुनवाई एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए किया कार्य विभाजन

बिलासपुर। बिलासपुर संभाग में अपर आयुक्त का पद रिक्त होने के कारण कार्यालयीन कार्यों एवं विभिन्न प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए आयुक्त बिलासपुर संभाग द्वारा कार्य विभाजन संबंधी आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार पूर्व में जारी कार्य विभाजन आदेश को निरस्त करते हुए नवीन व्यवस्था लागू की गई है। आदेश के तहत आयुक्त श्री सुनील जैन को बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, मुंगेली, सारंगढ़-बिलाईगढ़, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एवं सक्ती जिलों से संबंधित कलेक्टरों के आदेशों के विरुद्ध अपील प्रकरणों की सुनवाई का दायित्व सौंपा गया है। इसके अलावा जिला स्तरीय ओवर साइट कमेटी, राष्ट्रीय राजमार्गों के पुनर्वास एवं उन्नयन हेतु भूमि अधिग्रहण से जुड़े मध्यस्थता प्रकरण, खाद्य औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1985 के प्रकरण तथा पंचायत राज अधिनियम से जुड़े मामलों की सुनवाई भी उनके जिम्मे रहेगी। प्रशासनिक कार्यों के अंतर्गत इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, सीएसआर, स्वच्छ भारत अभियान, नगरीय निकाय एवं पंचायत निर्वाचन संबंधी प्रकरण, धान खरीदी निरीक्षण एवं परीक्षण, कौशल विकास, नजूल प्रकरणों के नवीनीकरण, विभागीय जांच तथा स्थायी सामाजिक प्रमाण-पत्रों से जुड़े मामलों में भी कार्रवाई का दायित्व निर्धारित किया गया है।आदेशानुसार आयुक्त द्वारा प्रकरणों की सुनवाई सामान्यत: प्रत्येक सोमवार, मंगलवार एवं बुधवार को की जाएगी।

मुख्य दरवाजे पर भूलकर भी न लगाएं ऐसी तस्वीरें

घर में आती है बदहाली

घर केवल ईंट और पत्थरों से बना ढांचा नहीं होता, बल्कि यह हमारी भावनाओं, ऊर्जा और जीवन की दिशा को भी प्रभावित करता है। विशेष रूप से मुख्य दरवाजा घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है, क्योंकि यहीं से सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। वास्तु शास्त्र और आधुनिक इंटीरियर डिज़ाइन दोनों में यह बात मानी गई है कि घर का प्रवेश द्वार जितना साफ, सुंदर और सुसज्जित होगा, उतनी ही अधिक खुशियां, समृद्धि और शांति घर में आएगी।

1. मृत्यु और नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक तस्वीरें

मृत्यु, खून, या संघर्ष की तस्वीरें मुख्य दरवाजे पर बिल्कुल नहीं लगानी चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और पारिवारिक जीवन में तनाव और समस्याएं बढ़ सकती हैं। तस्वीरें जहां कोई दुख, आंसू या संकट का चित्रण हो, जैसे कि युद्ध, लड़ाई या प्राकृतिक आपदाएं, इन्हें दरवाजे पर नहीं लगाना चाहिए।

2. साधारण या गहरे रंगों वाली तस्वीरें

मुख्य दरवाजे पर अंधेरे रंगों, जैसे काले, गहरे नीले या गहरे हरे वाली तस्वीरें न लगाएं, क्योंकि ये घर के अंदर नकारात्मक ऊर्जा का निर्माण कर सकती हैं। वास्तु में हलके और उज्जवल रंगों को प्राथमिकता दी जाती है।

3. अकेले या उदास चेहरों की तस्वीरें

उदास या अकेले चेहरों वाली तस्वीरें, जो निराशा या अकेलेपन को दर्शाती हों, मुख्य दरवाजे पर न लगाएं। ये घर में मानसिक तनाव और अवसाद को बढ़ा सकती हैं।

4. तस्वीरें जो नकारात्मकता को बढ़ाती हैं

ध्वस्त या टूटे हुए मकान, सड़क पर पड़े मलबे, या किसी भी प्रकार की नकारात्मक चित्रण मुख्य दरवाजे पर न लगाएं। ये तस्वीरें घर के माहौल में अशांति और संघर्ष का कारण बन सकती हैं।

5. उल्टी तस्वीरें या तस्वीरें जो दिशा के खिलाफ हों

मुख्य दरवाजे पर तस्वीरें उल्टी दिशा में लटकाने से बचें। यह वास्तु शास्त्र के अनुसार शुभ नहीं माना जाता और घर में नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

6. अति-आक्रामक या हिंसक तस्वीरें

हिंसक, आक्रामक या उग्र चित्र- जैसे तीर, तलवार या लड़ाई के दृश्य घर में अशांति का कारण बन सकते हैं। ये तस्वीरें परिवार में कलह और स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती हैं।

क्या लगाएं मुख्य दरवाजे पर?

1. प्राकृतिक दृश्य

मुख्य दरवाजे पर प्राकृतिक दृश्य जैसे पहाड़, नदी, या हरे-भरे बाग-बगिचे की तस्वीरें लगाना शुभ माना जाता है। ये घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाती हैं और सुख-शांति की भावना पैदा करती हैं।

2. प्यार और खुशी की प्रतीक तस्वीरें

– घर में हंसी-मजाक, परिवार की एकजुटता या सुख-शांति की तस्वीरें लगाना बहुत अच्छा होता है। ये घर के वातावरण को खुशहाल बनाती हैं।

3. शुभ प्रतीक या देवी-देवताओं की तस्वीरें

– मुख्य दरवाजे पर शिव, गणेश, लक्ष्मी, या अन्य शुभ देवी-देवताओं की तस्वीरें लगाने से घर में समृद्धि, सुख और शांति आती है। खासकर गणेश जी की तस्वीर घर के मुख्य द्वार पर शुभ मानी जाती है।

धूप से स्किन हो रही है खराब?

स्किनकेयर टिप्स अपनाएं

गर्मियों में स्किन से जुड़ी तमाम समस्याएं होती रहती हैं। ऐसे में स्किन पर ग्लो बनाए रखना थोड़ा मुश्किल होता है। स्किन पर पिंक ग्लो न केवल देखने में खूबसूरत लगता है, बल्कि यह आपकी स्किन की अच्छी सेहत का संकेत भी है। जब हम पिंक ग्लो की बात करते हैं, तो इसका मतलब है कि आपकी त्वचा अंदर से हाइड्रेटेड है और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतरीन है। बल्कि यह स्किन को जवां बनाए रखने में मदद करता है और चेहरे की सुस्ती को दूर करता है। अगर चेहरे पर गुलाबी ग्लो होता है तो फिर मेकअप करने की जरूरत ही नहीं रहती है। अगर आप नेचुरल तरीके से चेहरे पर पिंक ग्लो पाना चाहती तो यहां बताया स्किनकेयर सीक्रेट अपनाएं।

पिंक ग्लो पाने के लिए स्किनकेयर सीक्रेट

1) पहला स्टेप

इस स्टेप के लिए चुकंदर का रस निकाल लें और इस रस में ग्लिसरीन मिलाएं। अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इसमें एक कॉटन पैड डिप करें और फिर इसे सर्कुलर मोशन में चेहरे पर रब करें। कम से कम एक मिनट तक ऐसा करने के बाद चेहरे के साफ कपड़े से पोंछ लें।

2) दूसरा स्टेप

इस स्टेप के लिए चुकंदर और चावल के आटे को अच्छे से मिलाएं और एक स्क्रब तैयार करें। इसे चेहरे पर 30 से 60 मिनट के लिए लगाएं और फिर अच्छी तरह से मसाज करें। पूरे चेहरे की मालिश करने के बाद चेहरे को साफ करें।

3) तीसरा स्टेप

तीसरे स्टेप में फेस पैक लगाएं। इसके लिए चुकंदर में बेसन, चावल का आटा और दही मिलाएं। अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद एक फेस पैक तैयार करें। इस फेस पैक को लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब फेस पैक को भी चेहरे से साफ करें। इंस्टेंट पिंक ग्लो पाने के लिए ये फेस पैक काफी अच्छा है।

टिप

पिंक लिप्स पाने के लिए भी आप चुकंदर का लिप बाम बना सकते हैं। इसके लिए चुकंदर के रस को एक छोटे पैन में धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक वह आधा न रह जाए और गाढ़ा न हो जाए। फिर एक कटोरी में वैसलीन लें। इसमें नारियल का तेल मिलाएं। अब इसे डबल बॉइलर विधि से पिघलाएं। वैसलीन पूरी तरह पिघल जाने के बाद इसमें तैयार किया हुआ चुकंदर का गाढ़ा रस डालें। अगर आपके पास विटामिन-ई का कैप्सूल है, तो उसे काटकर उसका तेल भी इसमें मिला दें। एक डिब्बी में रखें और फिर कुछ देर के लिए फ्रिज में स्टोर करने के लिए रख दें।

गर्मी से बचने के लिए जानें आयुर्वेदिक पेय और डाइट प्लान

आयुर्वेद के अनुसार, ज्येष्ठ की भीषण गर्मी और नौतपा के दौरान शरीर में 'पित्त' दोष बढ़ जाता है। इसे शांत करने के लिए ठंडी तासीर वाले आहार और विहार की आवश्यकता होती है। यहां गर्मी से लड़ने के लिए प्रभावी आयुर्वेदिक पेय और डाइट प्लान दिया गया है।

आम पन्ना: कच्चे आम को उबालकर बनाया गया यह पेय 'लू' का काल है। यह विटामिन C और इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है।

बेल का शरबत: बेल पेट की गर्मी को शांत करता है और पाचन तंत्र को लू से बचाता है।

चंदन और खस का शरबत: चंदन और खस की तासीर अत्यंत ठंडी होती है। यह घमौरियों और शरीर की जलन को कम करता है।

मिश्री-सौंफ का पानी: रात भर सौंफ को पानी में भिगो दें, सुबह मिश्री मिलाकर छानकर पिएं। यह आंखों की जलन और एसिडिटी के लिए रामबाण है।

ताजा मट्ठा (छाछ): आयुर्वेद में मट्ठे को 'धरती का अमृत' कहा गया है। इसमें थोड़ा भुना जीरा और काला नमक मिलाकर पीने से पाचन सुधरता है। गर्मी में आपका भोजन 'हल्का, ताजा और जलयुक्त' होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपके लिए साहस और पराक्रम की नई मिसाल पेश करेगा, क्योंकि आपकी राशि के तृतीय भाव में चंद्रमा शुक्र और गुरु के साथ विराजमान हैं। आपकी राशि में मंगल की स्थिति आपको नई शुरुआत के लिए आवश्यक ऊर्जा और आत्मविश्वास प्रदान करेगी। करियर में प्रमोशन के योग हैं और कार्यस्थल पर आपकी मेहनत को पहचान मिलेगी। बिजनेस में किए गए पुराने निवेश से आर्थिक लाभ संभव है।

वृषभ राशि - आर्थिक स्थिरता और पारिवारिक समृद्धि लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वितीय भाव में चंद्रमा का गोचर हो रहा है। आपकी राशि में सूर्य और बुध की उपस्थिति करियर में सफलता और मान-सम्मान दिलाएगी। बिजनेस में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, लेकिन आप अपनी चतुराई से मुनाफा कमाने में सफल रहेंगे। धन लाभ के प्रबल अवसर हैं, जिससे आपकी योजनाएं प्रगति करेंगी। लव लाइफ में मधुरता बनी रहेगी।

मिथुन राशि - आपके लिए खर्चों और चुनौतियों से भरा रह सकता है, क्योंकि आपकी राशि के द्वादश भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर के क्षेत्र में कार्यभार बढ़ेगा और प्रतिद्वंद्वी आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। बिजनेस में अचानक हानि से बचने के लिए जोखिम भरे निवेश से दूर रहें। अनावश्यक खर्चों के कारण आर्थिक तनाव हो सकता है। लव लाइफ में ब्रेकअप जैसी स्थिति से बचने के लिए पार्टनर के साथ संवाद बनाए रखें।

कर्क राशि - आपकी राशि के दशम भाव में चंद्रमा, सूर्य और मंगल का गोचर हो रहा है। नौकरी में आपके काम की सराहना होगी और कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है जो भविष्य में तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेगी। बिजनेस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद आपको बड़ा आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

सिंह राशि - आपके लिए उपलब्धियों और सुखद समाचारों का होगा, क्योंकि आपकी राशि के एकादश भाव में चंद्रमा का संचरण हो रहा है। करियर में प्रमोशन और आय में वृद्धि के स्पष्ट संकेत हैं। व्यापार में नए अवसरों का लाभ मिलेगा और आपकी नेटवर्किंग बढ़ेगी। आर्थिक लाभ की दृष्टि से दिन बहुत भाग्यशाली है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आप पार्टनर के साथ विवाह की योजना बना सकते हैं।

कन्या राशि - आपके लिए करियर की ऊंचाइयों को छूने वाला होगा, क्योंकि आपकी राशि के दशम भाव में चंद्रमा गुरु और शुक्र के साथ स्थित है। नौकरी में आपके निर्णय की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारियों का भरोसा बढ़ेगा। बिजनेस में नई योजनाएं सफल होंगी और धन लाभ होगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।

तुला राशि-आपके लिए भाग्य की चमक और आध्यात्मिक शांति का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के नवम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और लंबी दूरी की सुखद यात्राएं हो सकती हैं। बिजनेस में भाग्यवश कोई बड़ी डील हाथ लग सकती है। निवेश के लिए समय शानदार है। लव लाइफ में आकर्षण और रोमांस बना रहेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है।

वृश्चिक राशि - आपके लिए थोड़ा संभलकर चलने का है, क्योंकि आपकी राशि के अष्टम भाव में चंद्रमा शुक्र और गुरु के साथ विराजमान हैं। करियर में अचानक कुछ बाधाएं आ सकती हैं, जिससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है। बिजनेस में आर्थिक हानि का जोखिम न लें। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। लव लाइफ में पार्टनर के साथ तालमेल की कमी हो सकती है, इसलिए धैर्य रखें। स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है, योग और प्राणायाम पर ध्यान दें।

धनु राशि- आपके लिए दांपत्य सुख और व्यापारिक साझेदारी में प्रगति का होगा, क्योंकि आपकी राशि के सप्तम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में पार्टनरशिप के काम सफल होंगे और नई नौकरी के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में तरक्की के साथ-साथ आर्थिक लाभ सुनिश्चित होगा। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और आकर्षण के कारण नए रिश्ते जुड़ सकते हैं। विवाह के इच्छुक जातकों के लिए दिन फलदायी है।

मकर राशि - आपके लिए मेहनत और संघर्ष के बाद जीत का है, क्योंकि आपकी राशि के छठे भाव में चंद्रमा का संचरण हो रहा है। करियर में चुनौतियों और प्रतिस्पर्धा का डटकर सामना करेंगे, जिससे सफलता आपकी कदम चूमेगी। बिजनेस में उधारी के लेनदेन से बचें। आर्थिक लाभ के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। लव लाइफ में थोड़ी नीरसता रह सकती है, समय निकालें। कल स्वास्थ्य के मामले में सतर्क रहें, पैरों में दर्द या मांसपेशियों में खिंचाव हो सकता है।

कुंभ राशि- आपके लिए रचनात्मकता और संतान सुख लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के पंचम भाव में चंद्रमा गुरु और शुक्र के साथ युति में है। करियर में आपके नवाचार और बुद्धि की प्रशंसा होगी। शेयर बाजार या निवेश से अप्रत्याशित आर्थिक लाभ मिल सकता है। बिजनेस में नए प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू करने के लिए समय उत्तम है। लव लाइफ में प्रेम प्रसंगों में मधुरता आएगी और रोमांस बढ़ेगा। दोस्तों के साथ मिलकर कोई नई शुरुआत कर सकते हैं।

मीन राशि- आपके लिए सुख-सुविधाओं और मानसिक शांति का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के चतुर्थ भाव में चंद्रमा विराजमान हैं। करियर में स्थिरता आएगी और घर से काम करने वालों को विशेष सफलता मिलेगी। बिजनेस में जमीन या वाहन के क्रय-विक्रय से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिवार में सुख और शांति का वातावरण रहेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। लव लाइफ में गहराई आएगी और पार्टनर का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

बनाएं स्वादिष्ट पनीर भुर्जी

पनीर भुर्जी एक ऐसी डिश है जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक सभी पसंद करते हैं। यह खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ प्रोटीन से भी भरपूर होती है। ज्यादातर लोग पनीर भुर्जी को ज्यादा मसाले और तेल डालकर बनाते हैं, लेकिन अगर आप हल्का और हेल्दी खाना पसंद करते हैं, तो कम मसाले और कम तेल में भी बहुत स्वादिष्ट पनीर भुर्जी बनाई जा सकती है। यह रेसिपी खासतौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो हेल्दी डाइट फॉलो कर रहे हैं या ज्यादा ऑयली खाना नहीं खाना चाहते। इसे आप नाश्ते, लंच या डिनर किसी भी समय बना सकते हैं।

पनीर भुर्जी बनाने के लिए जरूरी सामग्री

200 ग्राम पनीर, 1 छोटा प्याज बारीक कटा हुआ, 1 छोटा टमाटर बारीक कटा हुआ, 1 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 छोटा चम्मच तेल, 1/4 छोटा चम्मच हल्दी, 1/4 छोटा चम्मच जीरा, थोड़ा-सा नमक स्वादानुसार, थोड़ा हरा धनिया, 2-3 चम्मच दूध (ऑप्शनल)

बनाने की आसान विधि

पनीर तैयार करें: सबसे पहले पनीर को हाथों या कद्दूकस की मदद से अच्छे से मैश कर लें। ध्यान रखें कि पनीर ज्यादा बड़े टुकड़ों में ना रहे।

हल्का तड़का लगाएं: अब गैस पर एक नॉन-स्टिक पैन रखें और उसमें सिर्फ 1 छोटा चम्मच तेल डालें। तेल गर्म होने पर जीरा डालें। जब जीरा हल्का चटकने लगे, तब उसमें बारीक कटा प्याज डालें। प्याज को ज्यादा ब्राउन नहीं करना है। बस हल्का गुलाबी होने तक पकाएं।

टमाटर और मसाले डालें: अब इसमें हरी मिर्च और टमाटर डालें। टमाटर को नरम होने तक पकाएं। इसके बाद हल्दी और थोड़ा नमक डाल दें। अगर आप ज्यादा तीखा पसंद नहीं करते, तो लाल मिर्च बिल्कुल न डालें। इससे भुर्जी हल्की और स्वादिष्ट बनेगी।

पनीर मिलाएं: अब पैन में मैश किया हुआ पनीर डालें और सभी चीजों को अच्छे से मिलाएं। इसे 2-3 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। अगर आपको भुर्जी ज्यादा सूखी लग रही हो, तो इसमें 2-3 चम्मच दूध डाल सकते हैं। इससे पनीर भुर्जी नरम और क्रीमी बनती है।

हरा धनिया डालें: अंत में ऊपर से हरा धनिया डालें और गैस बंद कर दें। आपकी हल्की और हेल्दी पनीर भुर्जी तैयार है।

किसके साथ खाएं?

कम मसाले वाली यह पनीर भुर्जी रोटी, पराठा, ब्रेड या मल्टीग्रेन टोस्ट के साथ बहुत अच्छी लगती है। इसे बच्चों के टिफिन में भी दिया जा सकता है।

मोतियों से चमकेंगे दांत

सरसों के तेल में मिलाकर करें मंजन

सरसों के तेल के कई प्रयोग हैं जो घरेलू नुस्खों में बताए जाते हैं। यदि आपके दांत पीले और गंदे हो रहे हैं। मसूड़े कमजोर हो रहे हैं या किसी भी प्रकार की दांतों की कैविटी का इलाज भी आप इस प्रयोग से कर सकते हैं। इसके लिए आपको सरसों के तेल की जरूरत होगी।

- **पहला नुस्खा :** एक चम्मच सरसों के तेल में नमक, नींबू का रस मिलाकर अंगुलियों से 5 मिनट तक धीरे धीरे दांत और मसूड़ों की मसाज करें। इसके बाद दांतों को किसी अच्छे टूथपेस्ट से ब्रश कर लें। कुछ दिनों में यह पीली परत निकल जाएगी और कैविटी हटने लगेगी। सरसों के तेल और सेंधा नमक इन दोनों को आपस में समान मात्रा में मिला लें और इस पेस्ट से अपने दांतों में ब्रश करें। यह नुस्खा दांतों के पीलेपन से छुटकारा दिलाने में आपकी बहुत मदद करेगा तथा दांतों की उम्र भी बढ़ाएगा।
- **दूसरा नुस्खा :** नीम की लकड़ी को धीरे धीरे चबाएं और उसके रस से कुल्ला कर लें। नीम की दातुन करते रहने से दांत के बैक्टीरिया मर जाते हैं। अर्थात दांत और मसूड़ों में किसी भी प्रकार के कीड़े नहीं रहते हैं। दांतों का कोई रोग नहीं होता है।
- **तीसरा नुस्खा :** फिटकरी के पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिला लें और उसमें उचित मात्रा में नींबू का रस मिलाकर इसका मिश्रण बनाकर इस मिश्रण को पेस्ट बनाकर ब्रश करें। दिन में एक बार कुछ दिनों के लिए उपयोग करने पर दांतों की कैविटी हटना शुरू होगी।

सामूहिक विवाह के महत्वपूर्ण उद्देश्य

मुंबई अग्रवाल सामूहिक विवाह सम्मेलन की भायंदर क्षेत्रिय समिति द्वारा श्री नंदू पोद्दार के मार्गदर्शन में आयोजित 7वें अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन का शुभारंभ सुप्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति व मारवाड़ी सम्मेलन के ट्रस्टी श्री कन्हैयालाल घ. सराफ ने दीप प्रज्ज्वलित कर भायंदर (पूर्व) स्थित ब्लूमून क्लब में आयोजित एक विशेष समारोह में किया। इस अवसर पर डॉ. श्याम अग्रवाल-सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे।संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री डालचंद गुप्ता एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री. पुरुषोत्तम कामठिया की आयोजन में अहम भूमिका रही।श्री संदीप चिरानिया, श्री नरेश अग्रवाल, श्री संतोष तुलस्यान, श्री दिनेश जैन, श्रीमती ज्योति गोयल, श्रीमती सुधा अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, श्री नवल सेकसरीया व श्री बिपीन अग्रवाल का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा। इस वर्ष समाज के उच्च, मध्यम एवं कमजोर वर्ग के 126 युवकों एवं 72 युवतियों ने विवाह हेतु अपना पंजीकरण कराया है।

दिल के दौरे से पहले रोकथाम पर प्राथमिकता

भारत के लिए यह एक गौरवपूर्ण क्षण है कि नमन गोसालिया द्वारा हृदय रोग की रोकथाम को अनिवार्य प्राथमिकता बनाने के लिए किए गए निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप, अब भारत में जन्मी एंजिनाएक्स कंपनी वैश्विक स्वास्थ्य सेवा और जन स्वास्थ्य संबंधी चर्चाओं में अग्रणी कार्डियोलॉजी सोसाइटियों के अध्यक्षों, वैश्विक स्वास्थ्य सेवा नेताओं, नीति निर्माताओं, संस्थानों और दुनिया भर के अंतरराष्ट्रीय जन स्वास्थ्य हितधारकों के साथ जुड़ गई है।

रोकथाम को प्राथमिकता देने वाली स्वास्थ्य सेवा के प्रति उनके बढ़ते समर्थन के कारण उन्हें विश्व हृदय महासंघ से जुड़े मंचों और संयुक्त राष्ट्र के व्यापक स्वास्थ्य नीति संबंधी चर्चाओं में आमंत्रित किया जा रहा है, जहां हृदय रोग की रोकथाम का भविष्य तेजी से एक वैश्विक प्राथमिकता बनता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसे समय में जब हृदय रोग से विश्व भर में प्रतिवर्ष लगभग 1.8 करोड़ लोगों की मृत्यु होती है, गोसालिया लक्षणों के प्रकट होने से पहले, आपात स्थिति से पहले और रोगियों के रोग की गंभीर अवस्था में पहुँचने से पहले ही स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के प्रबल समर्थक बन गए हैं। एंजीनाएक्स के संस्थापक के रूप में, वे एक ऐसे रोकथाम-प्रधान हृदय रोग मॉडल का नेतृत्व कर रहे हैं जो

उन्नत चिकित्सा विज्ञान, सटीक निवारक प्रक्रियाओं और बुद्धिमान प्रणालियों को आजीवन हृदय स्वास्थ्य के लिए एक सतत दृष्टिकोण में एकीकृत करता है। स्वास्थ्य सेवा को प्रतिक्रियात्मक उपचार से निरंतर हृदय स्वास्थ्य निर्माण की ओर ले जाना। रोकथाम को कभी-कभार की स्क्रीनिंग के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय, यह दृष्टिकोण हृदय रोग के एनजाइना, दिल का दौरा, स्ट्रोक या विनाशकारी घटनाओं में बदलने से पहले ही जागरूकता और कार्रवाई को सक्षम बनाने पर केंद्रित है। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा प्रणालियाँ लगातार बढ़ती दीर्घकालिक बीमारियों, आपातकालीन देखभाल की बढ़ती लागत और चरमराते बुनियादी ढाँचे जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। ऐसे में, रोकथाम को अब भविष्य की आकांक्षा मात्र नहीं माना जा रहा है। यह तेजी से एक आवश्यकता बनती जा रही है। भारत भर में कई लोगों के लिए, यह एक गौरवपूर्ण क्षण है—भारत में जन्मी रोकथाम की एक परिकल्पना अब जनसंख्या स्तर पर हृदय स्वास्थ्य के प्रति विश्व के दृष्टिकोण को प्रभावित करने लगी है। और जबकि एंजिनाएक्स को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चाएँ बढ़ रही हैं, गोसालिया का मूल संदेश स्पष्ट बना हुआ है: "स्वास्थ्य सेवा का भविष्य इस बात से तय नहीं होगा कि हम हृदय के दौरे का कितना अच्छा इलाज करते हैं; बल्कि इस बात से तय होगा कि हम उन्हें कितनी प्रभावी ढंग से रोकते हैं।"

खिलोरा में समाधान शिविर बना ग्रामीणों की उम्मीदों का केंद्र, विधायक एवं जिला पंचायत सीईओ ने बांटी आवास की चाबियां

बेमेतरा। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत खिलोरा में विशाल समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया तथा अपनी समस्याओं और मांगों को प्रशासन के समक्ष रखा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होकर विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। शिविर का माहौल पूरी तरह जनसेवा और जनसुनवाई केंद्रित रहा, जहाँ प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद देखने को मिला।

ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही हुआ निराकरण

समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुना गया। राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा सामाजिक कल्याण विभाग सहित कई विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ आवेदन भी प्राप्त किए गए।शिविर के दौरान अनेक समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया।

जब हितग्राहियों के हाथों में आई अपने सपनों के घर की चाबी

कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण उस समय देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत स्वीकृत आवास पूर्ण होने पर हितग्राहियों को उनके नए पक्के मकानों की चाबी और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। वर्षों से कच्चे मकान में जीवन यापन कर रहे ग्रामीणों के लिए यह पल किसी सपने के साकार होने से कम नहीं था। शिविर में ग्राम खिलोरा की निवासी कलिन्दी बाई सहित तीन हितग्राहियों को मुख्य अतिथियों के हाथों आवास की चाबी सौंपी गई। अपने पक्के मकान की चाबी हाथ में लेते ही कलिन्दी बाई की आंखों में खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। उन्होंने शासन, जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में जीवन यापन कर सकेगा। हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान किए जाने के दौरान पूरे शिविर परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने इस पहल को गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया।

सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना : विधायक

शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास और शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्रशासन स्वयं गांवों तक पहुँच रहा है, जिससे लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। विधायक ने कहा कि शासन की योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी, जब उनका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे।

अहिवारा के मंगल भवन में जनसमस्या निवारण शिविर संपन्न

दुर्ग। छ.ग. शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत 16 मई को वार्ड क्र. 03 स्थित मंगल भवन में जन समस्या शिविर का आयोजन किया गया जिसमें शासन के समस्त विभागों द्वारा स्टॉल लगाया गया। आयोजित शिविर में वार्ड क्र. 05, 06, 07 एवं 08 के साथ नगर के सभी वार्ड के नागरिकों ने शिविर में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हुए मांग व शिकायत हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। साथ में शिविर में अन्य विभागों द्वारा लगाए गए तात्कालिक सुविधा का लाभ लिया गया। आयोजित शिविर में कुल 149 मांग/शिकायत प्राप्त हुई है। शिविर में महिला एवं बाल विकास द्वारा 49 महिला हितग्राहियों का शिविर में ही ई-केवायसी किया गया, 21 हितग्राहियों का आधार अपडेशन और 4 लोगों का तत्काल नया आधार कार्ड बनाया गया। गोद भराई 04 महिलाओं का, आभा आईडी 122, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 53 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाई वितरण किया गया। आयुष हेल्थ परीक्षण और आयुर्वेदिक दवाइयों का वितरण 67 मरीजों को किया गया। परिवहन विभाग द्वारा 22 लोगों का लर्निंग लाइसेंस बनाया गया। साथ ही 4 महिला हितग्राहियों को 20-20 हज़ार का राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना का स्वीकृति पत्र, पेंशन स्वीकृति पत्र, 4 हितग्राहियों को राशन कार्ड का वितरण किया गया। शिविर में आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को देखते हुए अहिवारा के सम्माननीय नागरिकों से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने हेतु अपील हेतु पांफलेट का भी अनावरण किया गया। आयोजित शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा, अनुविभागीय अधिकारी भिलाई 03 श्री महेश सिंह राजपूत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रवीण सिंह गहलोत , पुलिस विभाग से डीएसपी दानेश्वर साहू, तहसीलदार राधे वर्मा, वार्ड क्र. 02 पार्षद अनुज साहू, वार्ड क्र. 03 पार्षद इंदिरा बंजारे, वार्ड क्र. 05 पार्षद शिवनारायण अग्रवाल, वार्ड क्र. 07 पार्षद कीर्ति राजा शिवाले, वार्ड क्र. 12 पार्षद पुरूषोत्तम वर्मा, वार्ड क्र. 13 पार्षद केशव महिलांग, वार्ड क्र. 15 पार्षद मुकुंद पटेल के साथ समस्त विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी,नगर पालिका के उपअभियंता खिलानंद कुल्हारे एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मौत के साए में चल रहा केज कारोबार : बालोद जिले के जलाशयों में 800 से ज्यादा फिश केज, मजदूरों की सुरक्षा भगवान भरोसे

खरखरा हादसे के बाद खुली पोल, बिना लाइफ जैकेट गहरे पानी में उतारे जा रहे मजदूर, एफआईआर की उठी मांग

बालोद। जिले के डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के खरखरा जलाशय में मजदूर सुखराम सलाम की डूबने से हुई मौत ने जिले में संचालित फिश केज व्यवसाय की भयावह तस्वीर सामने ला दी है। गहरे पानी के बीच सैकड़ों केजों में बड़े स्तर पर मत्स्य पालन का कारोबार तो चल रहा है, लेकिन मजदूरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। हादसे के बाद अब जिले के विभिन्न जलाशयों में संचालित केजों की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था और विभागीय निगरानी पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार बालोद जिले के प्रमुख जलाशयों खरखरा, तन्दुला और गोंदली में कुल मिलाकर करीब 800 से अधिक फिश केज संचालित हैं। इनमें बड़ी संख्या में मजदूर रोजाना गहरे पानी के बीच जोखिम उठाकर काम कर रहे हैं। आरोप है कि अधिकांश जगहों पर न तो पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध हैं और न ही आपातकालीन बचाव व्यवस्था। खरखरा जलाशय में मछलियों को दाना डालने गए मजदूर सुखराम सलाम की पानी में डूबने से मौत हो गई थी।

बताया गया कि मजदूर के पास लाइफजैकेट नहीं थी। हादसे के बाद काफी देर तक रेस्क्यू की समुचित व्यवस्था भी नहीं हो पाई। इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर गहरे पानी में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार विभाग और संचालक कितने गंभीर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मजदूरों को बिना प्रशिक्षण और बिना सुरक्षा उपकरणों के सीधे केजों में काम पर भेज दिया जाता है। कई मजदूर तैरना तक नहीं जानते, इसके बावजूद उनसे जलाशयों के बीच घंटों काम कराया जाता है। सूत्रों के अनुसार खरखरा जलाशय में कुल 108 केज संचालित हैं। इनमें बंटी हरमुख- 18 केज, पुनम हरमुख- 18 केज, दीपशिखा बनकर- 18 केज, प्रीति मांडवी- 18 केज, अंजलि सलाम- 18 केज, आशीष कुमेटी-एक बड़ा 20×20 केज, जो 18 सामान्य केज के बराबर माना गया है। इन सभी केजों की कुल श्रमता लगभग 1,800 क्यूबिक मीटर प्रति यूनिट बताई जा रही है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस कार्यक्रम की निकाली गई रैली

दुर्ग। दुर्ग जिले में राष्ट्रीय डेंगू दिवस के उपलक्ष्य में अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा कार्यशाला आयोजित कर कार्यक्रम रैली निकाली गयी, जिसमें एडीज मच्छर के काटने से होने वाले डेंगू की उत्पत्ति के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा एवं बचाव तथा उपचार के बारे मे संपूर्ण जानकारी दिया गया। इस कार्यक्रम में निजी चिकित्सालय एवं पंजीकृत चिकित्सक के समन्वय से समय पर डेंगू रोगीयों की जानकारी प्राप्त कर सम्पूर्ण मुलोपचार, कार्यक्षेत्र की प्रत्येक मितानीन को 3 नारे लेखन हेतु जिला एवं विकासखण्ड स्तर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति तथा शहरी क्षेत्रों में महिला आरोग्य समिति की बैठक आयोजित कर डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु समुदाय को जागरुक करने व्यापक प्रचार प्रसार करने निर्देशित किया गया। इस कार्यक्रम में लार्वा स्त्रोत नियंत्रण के तहत नाली की सफाई, कुलर, गमला, टायर, नारियल खोल, टंकी, प्लास्टिक कंटेनर, जल भराव के क्षेत्र एवं झाड़ियों इत्यादि में मच्छर के लार्वा का स्त्रोत पाया जाता है उसे कीटनाशक दवा टेमिफास, मेलाथियान, इत्यादि से विनिष्ठीकरण किये जाने हेतु बताया गया यह कार्यक्रम जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में आयोजित किया गया एवं जिला अस्पताल दुर्ग में 10 बेड का डेंगू वार्ड पृथक से मरीजों के लिए आरक्षित किया गया है। इस कार्यक्रम में डॉ. मनोज दानी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थय अधिकारी दुर्ग के मार्गदर्शन में डॉ. संजीव ग्लैड जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी, डॉ. आशिषन मिंज, सिविल सर्जन, डॉ. रश्मि ग्लैड जिला मलेरिया अधिकारी, डॉ.सी.बी.एस. बंजारे जिला नोडल अधिकारी आईडीएसपी दुर्ग के कुशल नेतृत्व मे राष्ट्रीय डेंगू दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मच्छर जनित रोग के बारे में प्रचार-प्रसार बचाव उपचार तथा सभी को मच्छरदानी का उपयोग करने एवं स्त्रोत नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत लार्वा विनिष्ठीकरण एवं वयस्क मच्छर का विनिष्ठीकरण हेतु बताया गया, जिसमें स्वास्थ्य विभाग जिला दुर्ग के समस्त अधिकारी कर्मचारी एवं नर्सिंग कालेज के प्रभारी व छात्राएं उपस्थित रही व उनके द्वारा डेंगू के रोकथाम हेतु संकल्प लिया गया।

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने जीता, बिलासपुर में आयोजित दक्षिण कोशल कप क्रिकेट प्रतियोगिता

बलौदाबाजार। सरकंडा बिलासपुर के मैदान में छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के तत्वाधान में आयोजित छ.ग. राज्य स्तरीय रात्रि कालीन क्रिकेट टूर्नामेंट दक्षिण कोशल कप 2026 का खिताब बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम ने जीत लिया है। कल दिनांक 17.05.2026 की रात्रि में खेले गए फाइनल मैच में बलौदाबाजार-भाटापारा की पुलिस टीम ने बिलासपुर पुलिस टीम को शानदार एवं रोमांचक मैच में 05 रन से पराजित करते हुए फाइनल मैच जीतकर विजेता का खिताब जीता। यह टूर्नामेंट बिलासपुर के सरकंडा मैदान में 27.04.2026 से आयोजित किया गया था, जिसमें 20 जिलों के विभिन्न शासकीय विभागों, प्राइवेट एवं संविदा अधि./कर्मचारियों की कुल 48 टीमों ने भाग लिया था, जिसमें बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम ने लीग मैचो में बिलासपुर पुलिस टीम बी, सी, शिक्षा विभाग मस्तूरी, बलरामपुर की टीम तथा सेमी फाइनल मैच में जल संसाधन विभाग बिलासपुर की टीम को परास्त करते हुए शानदार तरीके से फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में टॉस जीत कर बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 80 रन का चैलेंजिंग स्कोर खड़ा किया, जिसमें कमलेश मरावी, भूपेन्द्र वर्मा, त्रिलोक चंद्र साहू ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। तत्पश्चात बिलासपुर की टीम बैटिंग करने मैदान में आई। इस बीच द्वारिका साहू, प्रीतम पाटले एवं नंद किशोर वर्मा ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए पूरी बिलासपुर पुलिस टीम को मैच की अंतिम गेंद तक बांधे रखा, जिसमें अंतिम गेंद पर जीत के लिए 05 रन बिलासपुर टीम नहीं बना सकी और इस प्रकार बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम ने शानदार तरीके से फाइनल मैच जीत कर दक्षिण कोशल कप का खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम के रूप में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम को 1,00,000 नगद एवं कप से सम्मानित किया गया। संपूर्ण प्रतियोगिता में शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करने वाले आरक्षक त्रिलोकचंद साहू को बेस्ट बालर के रूप में रेंजर सायकल और कप तथा फाइनल मैच में मैन ऑफ द मैच आरक्षक द्वारिका साहू को एलसीडी टीव्ही प्रदान किया गया। पुलिस कार्यालय सभा कक्ष बलौदाबाजार में टीम के समस्त खिलाड़ियों से पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा द्वारा भेंटकर उन्हें शुभकामनाएं दिया गया। इस दौरान शर्मा ने कहा कि पूरे राज्य से आए हुए विभिन्न विभागों की सशक्त टीमों को पराजित कर फाइनल मैच का खिताब अपने नाम करना बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। पुलिस टीम के सभी खिलाड़ियों के प्रयासों की जमकर सराहना करते हुए एक बार पुनः पुलिस अधीक्षक द्वारा टीम के सभी खिलाड़ियों को बधाई दिया गया।

वट सावित्री व्रत पर सुहागिन महिलाओं ने की पूजा-अर्चना

अखंड सौभाग्य और पति की लंबी उम्र की कामना,न्यू आदर्श नगर में श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ व्रत कार्यक्रम,

दुर्ग। वट सावित्री व्रत पर सुहागिन महिलाओं ने आज न्यू आदर्श नगर, जोन-3 मार्ग क्रमांक 8 में शुक्रवार को सुहागिन महिलाओं द्वारा वट सावित्री व्रत श्रद्धा एवं आस्था के साथ मनाया गया। महिलाओं ने वट (बरगद) वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

पूजा के दौरान महिलाओं ने बरगद के पेड़ पर जल अर्पित किया तथा रोली, अक्षत, फल एवं पूजा सामग्री चढ़ाकर परंपरागत रीति-रिवाजों का पालन किया। इसके पश्चात महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर तने पर कच्चा सूत लपेटते हुए पूजा सम्पन्न की। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर महिलाओं ने माता सावित्री एवं सत्यवान की कथा का श्रवण एवं वाचन किया। कथा के माध्यम से बताया गया कि वट सावित्री व्रत माता सावित्री के अपने पति सत्यवान के प्रति अटूट प्रेम, समर्पण और निष्ठा का प्रतीक है, जिन्होंने अपने तप, साहस और दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण वापस प्राप्त किए थे।

शिक्षक ललित बिजौरा को मिला राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान

पाटन ब्लॉक सहित दुर्ग जिले को किया गौरवान्वित

अमलेश्वर। राजधानी रायपुर में शिक्षा जगत का एक बड़ा और गौरवशाली समागम संपन्न हुआ, नवाचारी गतिविधियां समूह भारत की छत्तीसगढ़ टीम द्वारा राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह संप्रवाह 2025-26 का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रो. जे. एन. पांडेय विद्यालय रायपुर में किया गया । इस समारोह में पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश से चयनित 160 उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके नवाचारी गतिविधियों के लिए सम्मानित किया गया जिसमें दुर्ग जिले के 3 शिक्षकों को उनके नवाचारी गतिविधियों एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मगरघटा संकुल केंद्र परसदा विकासखंड पाटन जिला दुर्ग में पदस्थ शिक्षक ललित कुमार बिजौरा को उनके उल्लेखनीय एवं नवाचारी गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया । इस आयोजन का संचालन नवाचारी गतिविधियां समूह भारत की छत्तीसगढ़ टीम द्वारा किया गया , जो देशभर के शिक्षकों को नवाचार के माध्यम से जोड़ने वाला एक प्रमुख स्व प्रेरित मंच है । इस कार्यक्रम में दुर्ग जिले के 3 नवाचारी शिक्षकों ललित कुमार बिजौरा पाटन, मंजू पाठक दुर्ग, नीलम विकास सुखदेवे धमधा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा जगत के कई वरिष्ठ अधिकारियों और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही।

इनमें उप सचिव छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर डॉ. बी.रघु, उप संचालक समग्र शिक्षा रायपुर ए.के.सारस्वत, जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर हिमांशु भारती, डीएमसी रायपुर अरुण कुमार शर्मा, प्राचार्य सेजस हिंदी माध्यम रायपुर सुचिता पाण्डेय शामिल रहे। सभी अतिथियों ने शिक्षकों के नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के मंच शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने एवं सीखने सीखाने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।

शासकीय भूमि पर 28 वर्षों से किए गए अतिक्रमण को किया कब्जा मुक्त

सरपंच रमाकांत साहू ने किया धारा 56 का प्रभावी उपयोग

पाटन। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत आगेसरा के युवा सरपंच रमाकांत साहू द्वारा छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम की धारा 56 का प्रभावी उपयोग करते हुए खसरा नंबर 519 रकबा लगभग 1 एकड़ में फकीरा राम निषाद द्वारा लगभग 28 वर्षों से सरकारी घास भूमि पर खेत बनाकर किए गए अतिक्रमण को कब्जा मुक्त किया गया। इस मौके पर ग्राम पंचायत आगेसरा के उप सरपंच, सचिव, कोटवार एवं पंच गण एक मत होकर ग्राम आगेसरा के समस्त नागरिकों से विचार विमर्श कर घटना की जानकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पाटन तहसीलदार पाटन, जामगांव राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी से विगत 6 माह तक मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए यह कार्यवाही किया गया, कब्जा मुक्त होने के उपरांत संबंधित प्रशासनिक अधिकारी को जानकारी से अवगत कराया गया। सरकारी जमीन पर हुए इस कब्ज को ग्राम पंचायत के सभी सदस्यों एवं गांव के समस्त नागरिकों के सहयोग से इस भूमि को कब्जा मुक्त किया गया।

शाला खर्री टोला के प्राथमिक परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

दल्लीराजहरा। शासकीय प्राथमिक शाला खर्री टोला के प्राथमिक परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा में तीन छात्र-छात्राएं की दर्ज संख्या थी जहां सभी ने इस परीक्षा में उत्तीर्ण किया है। शाला में छयांक कुमार नेताम 90.50 प्रतिशत अंक अर्जित का प्रथम स्थान प्राप्त किया है। रंजीत ने 88% के साथ द्वितीय एवं दीपांजलि ने 77% अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। स्कूल के छात्र छयांक कुमार नेताम का नवोदय में चयन हुआ है। स्कूल प्रबंधन समिति एवं शाला परिवार की ओर से स्कूल में उत्कृष्ट परिणाम लाने तथा नवोदय में चयन होने पर उन्हें हार्दिक बधाई दिया गया है। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई है।

1 से 60 वार्डों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा शहर के एक से लेकर 60 वार्डों तक नागरिक सुविधाओं की सतत निगरानी एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सचिव महोदया द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन में यह व्यवस्था लागू की गई है। नियुक्त नोडल अधिकारियों को अपने-अपने वार्डों में सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, विद्युत संबंधी समस्याओं एवं अन्य जनसुविधाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com